10 एमएस धोनी...

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 मलाइका अरोड़ा...

रांची, गुरुवार, 02 जनवरी 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 04 | अंक -195 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

हमारे अमर वीर शहीद और शहादत स्थल सदैव हमारे मार्गदर्शक बने रहेंगे : सीएम हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने खरसावां के शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक और वीर शहीद केरसे मुंडा चौक के शहीद स्मृति चिन्ह पर किया माल्यार्पण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

सरायकेला। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज नए वर्ष का पहला दिन है। नव वर्ष के पहले दिन आज खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के सम्मान में खरसावां स्थित शहीद स्मारक में माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हर वर्ष की भांति एक बार फिर आज यहां हम सभी एकत्र हुए हैं और आगे भी एकत्रित होते रहेंगे। यह दिन खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के प्रति सम्मान और आदर के साथ उनके दिखाए पथ पर आगे बढ़ने के संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड की 77वीं बरसी पर सरायकेला -खरसावां जिला के खरसावां स्थित शहीद पार्क में शहीद स्मारक (शहीद बेदी) और वीर शहीद केरसे मुंडा चौक के शहीद स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर अमर वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

आदिवासियों की शहादत और संघर्ष की पहचान है यह स्थल

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां का शहीद स्मारक आदिवासी समुदाय के हक-अधिकार को लेकर किए गए संघर्ष और शहादत का प्रतीक है। हमारे आदिवासियों और मूलवासियों का जीवन हमेशा से संघर्षमय रहा है। इन्हीं के संघर्ष और शहादत की वजह से ही आज हमारी पहचान है। हमारे ये शहीद स्थल सदैव हमारे मार्गदर्शक रहेंगे।

आदिवासियों का प्रकृति से रहा है गहरा जुड़ाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय का हमेशा से प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। जल -जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वे शुरू से संघर्ष करते रहे हैं। आज अगर प्रकृति के प्रति लगाव को लेकर आदिवासी समुदाय के पद चिन्हों पर चलते हुए उसका अनुसरण कर रहे होते तो प्राकृतिक आपदाओं तथा पर्यावरण संरक्षण की खातिर इतनी जद्दोजेहद नहीं करनी पड़ती।

शहीद स्मारक का पूर्ण रूपेण होगा विकास

मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों के सम्मान में निर्मित शहीद स्मारक के पूर्ण रूपेण विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। आज यहां मंत्री, विधायक और उपायुक्त के साथ बैठक में उन्होंने यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार के साथ विकास की नई योजनाओं का विस्तृत कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां शहीद स्मारक को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाएंगे ताकि आने वाली वाली पीढ़ी अपने इन वीर शहीदों से भली-भांति वाकिफ रहें और उनके बताये राह पर आगे बढ़ें।

ये लोग थे उपस्थित

मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, सांसद जोबा मांझी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक दशरथ गगराई, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सविता महतो एवं विधायक जगत मांझी समेत अनेकों विशिष्ट जन तथा हजारों की संख्या में लोगों ने शहीद स्थल को नमन कर अमर वीर शहीदों को सुमन-अर्पित किए।

बड़ी खबर! भारत लाया जाएगा 26/11 हमले का दोषी तहव्वुर राणा, अमेरिकी अदालत ने लगाई मुहर

एजेंसी

नयी दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दोषी पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है. अमेरिकी अपील न्यायालय के न्यायाधीशों के एक पैनल ने आतंकी राणा को भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया है. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 26/11 आतंकी हमलों में तहव्वुर राणा की कथित भूमिका की जांच कर रही है. पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने 26 नवंबर 2008 में मुंबई में सिलसिलेवार आतंकी हमलों को अंजाम दिया था. इन हमलों में उसकी कथित भूमिका के लिए भारत द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध पर राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था. एनआईए अधिकारियों के मुताबिक, राजनयिक चैनलों के जरिये तहव्वुर राणा को भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है. राणा द्वारा दायर एक अपील पर फैसला सुनाते हुए, नौवें सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय के न्यायाधीशों के एक पैनल ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में जिला न्यायालय द्वारा उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया है. याचिका में एक मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के प्रमाणीकरण को चुनौती दी गई थी कि मुंबई में आतंकी हमलों में उसकी कथित भागीदारी के लिए राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है. राणा के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था और एनआईए ने उसके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था. सुनवाई के दौरान संघीय अभियोजकों ने तर्क दिया कि राणा को पता

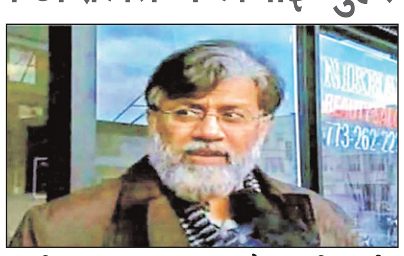

था कि उसका बचपन का दोस्त पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था. वह हेडली की सहायता करके तथा उसकी गतिविधियों के लिए उसे कवर देकर वह आतंकवादी संगठन और उसके सहयोगियों का समर्थन कर रहा था. राणा को हेडली की बैठकों और हमलों की योजना, जिसमें कुछ लक्ष्य भी शामिल थे, के बारे में पता था. अमेरिकी सरकार ने दावा किया कि राणा साजिश का हिस्सा था और उसने आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने का ठोस अपराध किया.

हेडली ने प्रमुख स्थानों की रेकी की

दिल्ली की एक अदालत में दायर अपने आरोपपत्र में एनआईए ने हेडली, राणा, हाफिज सईद, जकी-उर-रहमान लखवी, इलियास कश्मीरी, साजिद मीर, अब्दुर रहमान हाशिम सैयद, मेजर इकबाल और मेजर समीर अली पर आरोप लगाए हैं. एनआईए के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा और हुजी की ओर से प्रमुख स्थानों की रेकी की और हमले की योजना बनाई, जिसमें 26/11 हमलों की के स्थल भी शामिल थे.

लातेहार में भीषण सड़क दुर्घटना, बाइक सवार तीन युवकों की मौत, किसी युवक ने नहीं पहना था हेलमेट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत डिग्री कॉलेज के पास बुधवार को भीषण सड़क दुर्घटना हुई. यहां एक बाइक और बोलेरो की सीधी टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई. तीनों युवक बाइक पर सवार थे. हालांकि अभी तक इनकी पहचान नहीं हुई है. दरअसल मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत लातेहार-डाल्टनगंज मुख्य मार्ग पर स्थित डिग्री कॉलेज के पास एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक आ रहे थे. वहीं सामने से एक तेज रफ्तार बोलेरो भी आ रही थी. इसी दौरान दोनों में सीधी टक्कर हो गई. दुर्घटना के बाद बाइक पर सवार तीनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. हालांकि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और एंबुलेंस के माध्यम से युवकों को अस्पताल पहुंचाई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

युवकों की नहीं हुई पहचान

हालांकि घटना में मृत युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस के द्वारा युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि युवकों के पैकेट में रखा हुआ मोबाइल भी चकनाचूर हो गया. इस कारण उनकी पहचान करने में कठिनाई हो रही है. पुलिस अधिकारी रविंद्र महली ने बताया कि पुलिस युवकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है.

किसी युवक ने नहीं पहना था हेलमेट

यहां बताते चलें कि लातेहार जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है. इसके बावजूद लोग सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं. बुधवार को दुर्घटना में जिन युवकों की मौत हुई है उनमें से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था. हेलमेट नहीं पहने रहने के कारण ही उनके सिर में गंभीर चोट आई और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

खूंटी- चाईबासा हाइवे पर हादसा, दो युवक की मौत, दो की हालत गंभीर

खूंटी। जिले में बाइक की भीषण टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं. बुधवार को मुरहू थाना क्षेत्र के पंजाबी कोठी स्थित मोड़ के समीप यह भीषण हादसा हुआ है. हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए. मृतकों की पहचान सेगा मुईया और सुधांशु कुमार जायसवाल के रूप में हुई है. सूचना पर मुरहू पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा. जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. जानाकरी के अनुसार मुरहू थाना एनएच 75ए पर स्थित पंजाबी कोठी पुल के मोड़ पर दो बाइक की सीधी टक्कर हो गई. इस हादसे में 25 वर्षीय सेगा मुईया और 20 वर्षीय सुधांशु कुमार जायसवाल की मौत हो गई. सेगा भुईया पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी प्रखंड क्षेत्र के सिदमा गांव का निवासी था. जबकि सुधांशु गोड्डा जिले का निवासी था. दो अन्य युवक रांची कांटा टोली निवासी विक्की कुमार और गोड्डा निवासी आकाश कुमार महतो हैं. नववर्ष की सुबह सेगा भुईया बाइक से खूंटी की ओर जा रहा था, जबकि सुधांशु की बाइक पर आकाश कुमार महतो और विक्की कुमार सवार थे, तीनों पिकनिक मनाने पंचघाघ की ओर जा रहे थे.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

श्री पीयूष चौधरी
समाजसेवी रामगढ़ विधानसभा
आजसू पार्टी

सकारात्मक सोच शक्तिशाली सोच है। यदि आप खुशी, तृप्ति, सफलता और आंतरिक शांति चाहते हैं, तो यह सोचना शुरू करें कि आपके पास उन चीजों को प्राप्त करने की शक्ति है। जीवन के उज्ज्वल पक्ष पर ध्यान दें और सकारात्मक परिणामों की अपेक्षा करें।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **71,700**

चांदी (प्रति किलो) : **90,000**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **78,507.41**

निफ्टी :- **23,742.90**

मौसम

अधिकतम तापमान : **21** °

न्यूनतम तापमान : **07** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:31**

संध्या :- **17:15**

आज का इतिहास

आज के ही दिन 1920 को अटॉर्नी जनरल ए मिशेल पामर के नेतृत्व में, न्याय एजेंटों के विभाग ने 23 राज्यों में 30 शहरों में कट्टरपंथी वामपंथियों और अराजकतावादियों के खिलाफ छापे की एक श्रृंखला शुरू की।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में कुंआ में डूबने से 5 लोगों की मौत, पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण हुआ हादसा

हजारीबाग। जिले के चरही में दिल दहलाने वाली घटना घटी है. पांच लोगों की मौत कुआं में डूबने से हो गई. सभी का शव पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया है. घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है. हजारीबाग के चुरचू प्रखंड के ग्राम सरबहा में कुआं में डूबने से पांच व्यक्तियों की मौत हो गई. पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के कारण यह घटना घटी है. बताया जाता है कि किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच में विवाद हुआ. विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि पति ने अपनी मोटरसाइकिल लेकर कुएं में ही छलांगा मार दी. आसपास उसके दोस्त उसे बचाने के लिए कुएं में उतरे और सभी की मौत हो गई. पीड़ित परिवार ने बताया कि पहले दो लोग कुआं में उतरे. जब उन दोनों को डूबते हुए देखा तो दो अन्य व्यक्ति भी कुआं में उतर गए. जिससे कुल पांच लोग डूबने से मौत हुई है.

नववर्ष पर रांची के मंदिरों में उमड़े लोग

रांची। आंग्ल नववर्ष पर राजधानी रांची के सभी मंदिरों में बुधवार सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। रांची के पहाड़ी मंदिर, चुटिया के सुरेश्वर धाम, मेन रोड के काली मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा बाड़ी, रातू रोड के दुर्गा मंदिर सहित अन्य मुहल्लों के मंदिरों में सुबह से ही लोग पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। लोगों ने परिवार के साथ नए वर्ष की शुरूआत भगवान के दर्शन के साथ की। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। इस दौरान रांची के पहाड़ी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस के जवान और स्वयंसेवक मुस्तैद थे। पहाड़ी मंदिर में भक्त अरघा सिस्टम से जल अर्पण किया।

लीवर कैंसर का उपचार

लीवर कैंसर, लीवर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। लीवर ऐसे तत्व उत्पन्न करता है जो रक्त का थक्का जमने में मदद करते हैं। विषैले तत्वों, दवाओं और अल्कोहल आदि को हटाता है। पित्त निर्मित करता है, जिससे शरीर को वसा और कोलेस्ट्रॉल अवशोषण में सहायता मिलती है।

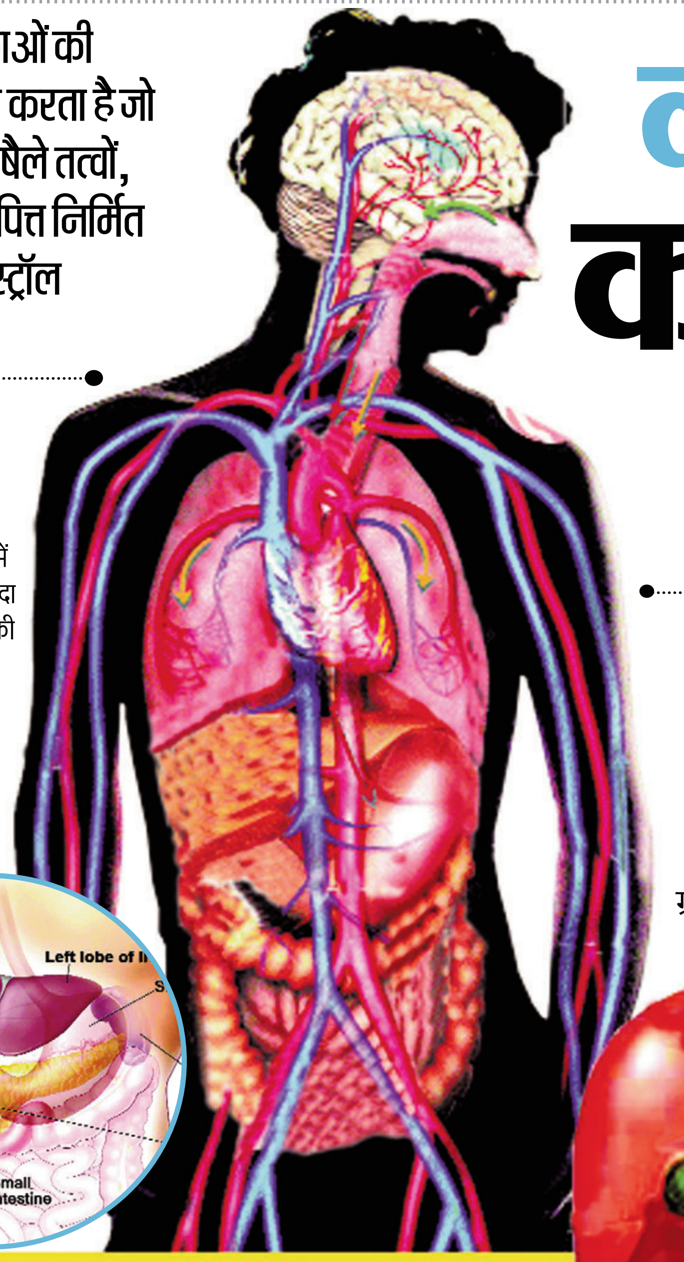

पुरुषों को बीमारी अधिक

यह संयुक्त राज्य और यूरोप में अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुमान के अनुसार, हर वर्ष 17,000 से अधिक लोगों में प्राइमरी लीवर कैंसर का निदान पाया जाता है। इनमें से अधिकतर की उम्र 40 वर्ष से अधिक होती है और 15,000 से ज्यादा लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। संयुक्त राज्य में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में लीवर कैंसर के दोगुना मामले पाए जाते हैं।

कोशिकाएं फैलती हैं

संयुक्त राज्य में अधिकतर लीवर ट्यूमर, लीवर में अन्य अंगों मुख्य रूप से कोलोन, रेक्टिम, लंग, ब्रेस्ट, पैंक्रिया और स्टॅम से फैलते हैं। जब कोई कैंसर लीवर में अन्य कहीं से फैलता है तो कैंसर कोशिकाएं दोनों जगहों पर समान होती हैं। उदाहरण के लिए यदि फेफड़ों का कैंसर (लंग कैंसर) लीवर तक फैलता है तो लीवर में पाई जाने वाली कैंसर युक्त कोशिकाएं फेफड़ों में पाई गई कैंसरयुक्त कोशिकाओं के समान ही होती हैं। इस कारण व्यक्ति का उपचार लीवर कैंसर के लिए नहीं, बल्कि लंग कैंसर के लिए किया जाता है। लीवर कैंसर को डॉक्टन मेटॉस्टेटिक लंग कैंसर कह सकते हैं।

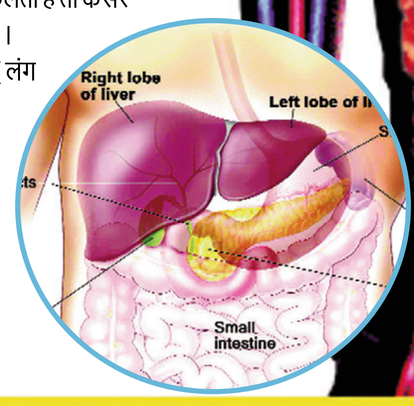

तीन प्रकार का लीवर कैंसर

प्राइमरी लीवर कैंसर के तीन मुख्य प्रकार हैं– हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी) हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी)। कोलनजियोकार्सिनोमा (बाइल डक्ट कैंसर)।

लीवर का कैंसर या तो लीवर में शुरू होता है या लीवर में शरीर के अन्य अंगों से फैलता है। प्राइमरी लीवर कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाने वाला ठोस ट्यूमर है, जिसके एक मिलियन से अधिक मामलों का हर वर्ष निदान किया जाता है। इसमें 40 साल से अधिक उम्र के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिलती है। अगर आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आप डॉक्टर से उचित परामर्श लेकर इसका शीघ्र निदान करा सकते हैं।

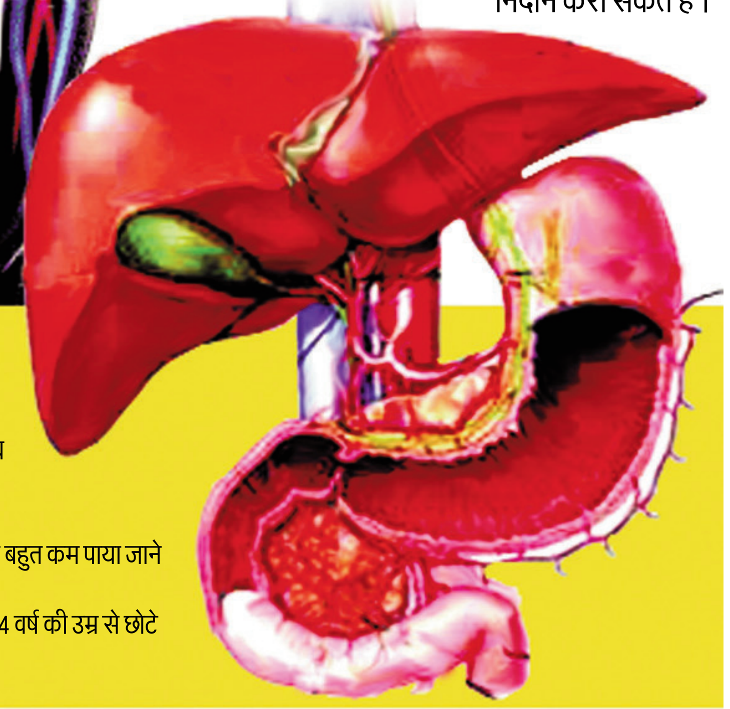

जोखिम घटक

हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के ज्यादातर मामलों में हेपैटाइटिस बी और हेपैटाइटिस–सी जिम्मेदार होते हैं। हेपैटाइटिस–ए में लीवर कैंसर पनपने का खतरा नहीं बढ़ाता। सिरोसिस, जिसमें लीवर की कोशिकाओं पर अनेक कारणों से दाग बन जाते हैं। संयुक्त राज्य में सिरोसिस का सबसे प्रचलित कारण हेपैटाइटिस–सी और अधिक मात्रा में शराब पीना है। संयुक्त राज्य में 50 से 70 प्रतिशत लीवर कैंसर के मामले सिरोसिस से जुड़े होते हैं। कुछ अध्ययनों में इसका संबंध हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा से पाया गया है।

इनसे बढ़ता है खतरा

इस प्रकार का कैंसर पनपने का खतरा बढ़ा देती हैं जिनमें शामिल हैं– पित्ताशय की पथरी (गॉलस्टोपन्सक), पित्ताशय दाह (गॉलब्लडेर इन्फ्लेमेशन) और कई बार क्रॉनिक अल्सरेटिव कोलाइटिस (लार्ज बावेल में इन्फ्लेपमेशन होना)।

एंजियोसरकोमा (हेमन्जियोसरकोमा) – यह लीवर कैंसर का बहुत कम पाया जाने वाला प्रकार है।

हेपैटोब्लॉस्टोनमा – यह दुर्लभ प्रकार का कैंसर, आमतौर से 4 वर्ष की उम्र से छोटे बच्चों में पाया जाता है।

लीवर कैंसर के लक्षण

बीमारी बढ़ जाने तक इसके लक्षण आमतौर से नहीं दिखते। लक्षणों में ये शामिल किए जा सकते हैं–

- वजन में अप्रत्याशित कमी आ जाना।
- ठीक से भूख न लगना।
- थोड़ा खाना खाने पर भी पेट भरा हुआ लगना।
- पेट के ऊपर या दाएं हिस्से में दर्द या सूजन का होना।
- त्वचा और आंखों पर पीलापन होना।
- लीवर का फेल जाना या लीवर के क्षेत्र में किसी पिंड का बनना।
- क्रॉनिक हेपैटाइटिस या सिरोसिस की समस्या गंभीर हो जाना।
- रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) कम होना।
- पुरुषों में स्तन वृद्धि होना।

लीवर कैंसर का निदान

लीवर कैंसर का पता तब लगता है, जब बीमारी का स्तर बढ़ जाता है। प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण एकदम स्पष्ट नजर नहीं आते। डॉक्टर आपसे निम्न जांचें करा सकता है।

शारीरिक जांचें

वजन में कमी होने, कुपोषण, कमजोरी, लीवर का बढ़ना और इससे जुड़ी बीमारियां जैसे कि हेपैटाइटिस और सिरोसिस।

ब्लड टेस्ट

अल्फा–फेटोप्रोटीन नामक एक प्रोटीन के बढ़े हुए स्तर की जांच जिससे लीवर कैंसर का पता लग सकता है। कंप्यूटर का टेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन, एक प्रक्रिया ट्यूमर की खोज और लोकेशन जानने के लिए जिसमें एक्स–रे और कंप्यूटर तकनीक का प्रयोग शरीर की अनुप्रस्थ (क्रॉस सेक्शूनल) छवियां निर्मित करने के लिए किया जाता है।

अल्ट्रा साउंड से जांचें

इसका उपयोग लीवर कैंसर की खोज और कैंसर युक्त (मैलिग्नेंथट) तथा कैंसर रहित (सामान्य) ट्यूमरों में अंतर के लिए किया जाता है।

डॉक्टर से कब संपर्क करें

यदि आपमें लीवर कैंसर का कोई भी लक्षण है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें। मुख्य लक्षण ये हैं– थकान, हल्का बुखार, त्वचा और आंखों का पीलापन (जांडिस), मांसपेशियों या जोड़ों का दर्द, मतली आना, मूत्र का गाढ़ा रंग, उल्टी होना, भूख न लगना और पेट में दर्द या सूजन आने पर आप डॉक्टर से परामर्श लेकर चिकित्सा करा सकते हैं।

लीवर कैंसर की चिकित्सा

उपचार कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे कैंसर का स्तर, आपकी उम्र और आपका सामान्य स्वास्थ्य। सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी और कीमोथेरेपी प्रमुख उपचार विकल्प हैं। प्राय: इन तीनों को एक साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है। सामान्यत: कोई अकेला ट्यूमर कैंसर जो लिम्फ नोड्स या दूसरे अंगों तक फैला नहीं हो, उसे सर्जरी से निकाला जा सकता है। हालांकि इस शुरुआती अवस्था में कम ही लीवर कैंसरों का पता लग पाता है। कुछ मामलों में, यकृत प्रत्यारोपण पर विचार किया जा सकता है। इसमें ट्यूमर्स की समस्या भी होती है। इसके अलावा कई तकलीफें साथ में बढ़ती जाती हैं।

बुढ़ापे की समस्याएं

उम्र बढ़ना एक एक प्राकृतिक और अपरिहार्य प्रक्रिया है, जिसे इंसान को हर हाल में स्वीकार करना होता है। उम्र बढ़ने के साथ ही आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन में बहुत से बदलाव आते हैं, जिसे स्वीकार कर उसके अनुकूल अपने आप को ढालना पड़ता है।

शरीर में होने वाले बदलावों में विशेष तौर पर सेक्स क्षमता में कमी और मांस–पेशियों में बदलाव आता है। इसलिए आपको इसे स्वीकार कर इस परिवर्तन के साथ ही जीना पड़ेगा।

साध लेते हैं चुप्पी

अक्सर आदमी स्वास्थ्य संबंधी चर्चा होने पर चुप्पी साध लेता है। भावनाओं को दबाने से उसके दिमाग में एक तरह का भावनात्मक हलचल होता है और इससे तनाव, निराशा और चिंता में वृद्धि होती है। अपने घरेलू व अन्य समस्याओं का हल ढूंढ़ने और उस पर सलाह–मशविरा करने के लिए अपने खास लोगों के साथ उसे शेयर करना चाहिए। अपनी भावनाओं को इस तरह दूसरे लोगों के साथ शेयर करने से व्यक्ति अपनी बढ़ती आयु से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से छुटकारा पा जाता है।

सकारात्मक सोचें

जीवन के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखें और जीवन के मध्य अवस्था का सामना करने के लिए मानसिक तौर पर पहले से ही तैयारी कर लें। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य में कई तरह का परिवर्तन होता है और इससे व्यक्ति के सेक्सुअल प्रदर्शन पर भी असर दिखने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने आप को असक्षम और अयोग्य समझने लगता है और एक तरह से हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। व्यक्ति में आत्मसम्मान में कमी, तनाव और निराशा जैसी बहुत सी बीमारियां मनौवैज्ञनिक समस्याओं के कारण पैदा होती हैं, जो आदमी के सेक्सुअल स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही, उसके संपूर्ण स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं।

शेयर करें समस्याएं

व्यक्ति को चाहिए की अपनी पत्नी के साथ अपनी समस्याओं को शेयर करे। संभव है कि वह उन समस्याओं का हल ढूंढ़ने के लिए कोई उपाय बताए और इससे तनाव और निराशा की स्थिति से निकलने में मदद मिले।

भरपूर लें आहार

हमेशा पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से भोजन करें। प्रोसेस्ड और फैटी भोजन करने से परेहज करें और इसके बदले में प्रचुर मात्रा में ताजे फल और फाइबर युक्त आहार का सेवन करें।

एक्सरसाइज जरूरी

हर आयु में नियमित रूप से एक्सरसाइज करना जरूरी होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज कर अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं कर हल्का–फुल्का एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे शरीर के साथ दिमाग पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है।

ये भी रखें ध्यान

अपने वजन को हमेशा नियंत्रण में रखें। मोटापा एक साथ कई बीमारियों को निमंत्रण देता है। भोजन में पोषक तत्वों की कमी और कुपोषण से बचने के लिए मल्टीविटामिन्स और सप्लीमेंट लें। शरीर में किसी भी तरह का असहजता महसूस होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। जीवन में काम–काजी बने, कुछ न कुछ शारीरिक श्रम अवश्य करते रहें।

युवाओं के दिल पर अटैक !

जवानी में तमाम लोगों के दिलों पर अटैक होता है, लेकिन आजकल के युवा हार्ट अटैक के भी शिकार हो रहे हैं। एक नई स्टडी में पता लगा है कि कम उम्र में इसके सबसे ज्यादा शिकार भारतीय युवा ही हैं।

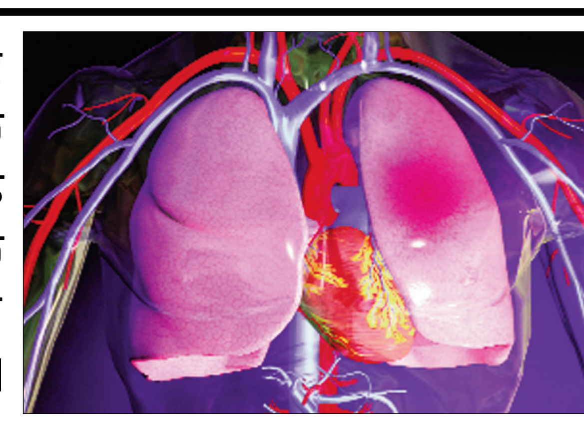

एक नए शोध से पता चलता है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में जिस उम्र में हार्ट अटैक होता है, हमारे देश के लोग उसके 10 से 15 साल पहले इसके शिकार हो जाते हैं। गौरतलब है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में 70 पर्सेंट हार्ट अटैक जहां 70 की उम्र के बाद होते हैं, वहीं हमारे देश में दो–तिहाई हार्ट अटैक 60 से कम उम्र वालों को होते हैं। हाल ही में आई एक स्टडी के मुताबिक, अब 30–40 की एज ग्रुप वालों का दिल भी सेफ नहीं है। मेडिकल साइंस की भाषा में यह एक्सट्रीमली प्रिमैच्योर स्टेज है।

दिल चाहता है नींद

हार्ट प्रॉब्लम की एक बड़ी वजह यंग इंडिया में नींद में कमी भी है। यंग प्रोफेशनल्स अक्सर अपनी नींद पूरी नहीं करते। अगर वे सोते भी हैं, तो उनका दिमाग अगले दिन के लिए चलता रहता है। दिनभर जो कुछ हुआ, वे उसे सोचते हैं और फिर दिमाग में अगले दिन की प्लानिंग चलती रहती है। इन सबके बीच कंफर्टेबल नींद का तो खात्मा ही हो जाता है। अच्छी नींद जरूरी है, आधी–अधूरी नहीं। जैसे कि रात को भी फोन बज रहा है, एसएमएस पढ़ रहे हैं। नींद की कमी से स्टैमिना खत्म होने लगता है और धड़कन तेज होने लगती है। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से यूथ एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते। इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है।

खासकर कॉल सेंटर जैसी नाइट शिफ्ट जॉब करने वालों की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। वैसे तो उनके पास सोने के लिए दिन होता है, लेकिन तब वे दूसरे कामों में लगे रहते हैं और बस 2–4 घंटे की ही नींद लेते हैं। बकौल डॉ. चानना, हार्ट के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी है। यही वजह है कि आजकल 25, 28 और 32 साल की उम्र में हार्ट अटैक हो रहे हैं। नींद के लिए टाइम तो निकालना ही पड़ता है। लेकिन जब तक मेंटली फ्री नहीं होंगे, तब तक अच्छी नींद कैसे आएगी? रिसर्च बताती है कि 6 घंटे से कम सोने वालों को हार्ट अटैक होने की आशंका ज्यादा रहती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद पूरी लेनी चाहिए।

मस्ती से आठ घंटे सोएं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि 6 घंटे की नींद बेहद जरूरी है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि नेक्स्ट डे का काम फ्रेश होकर करें, तो 8 घंटे मस्ती से सोएं। लेकिन इसमें मेडिकेशन का स्कोप कम है और लाइफ स्टाइल इंप्रूवमेंट का रोल ज्यादा है। आपकी डाइट और मेंटल बैलेंस सब मिलकर ही अच्छी नींद देंगे। अगर आप रात को 11 बजे ओवरइटिंग करते हैं, तो आपको अच्छी नींद कहां से आएगी। गौरतलब है कि जो लोग ज्यादा सोते हैं, उनका दिल भी अच्छी हालत में नहीं रहता। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादा देर तक सोना अक्सर

फ्रैगमेंटेड स्लीप होता है। नींद पूरी न होने के कारण ही लोग देर तक सोते रहते हैं। इसलिए स्लीप क्वालिटी मेंटेन करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्नोरिंग पर भी नजर रखने की जरूरत है। जो लोग ज्यादा खर्राटे लेते हैं, उन्हें अपनी स्लीप स्टडी करानी चाहिए।

सिमटे रहने से दिल सेफ नहीं

एक ओपन हार्ट सर्जरी इंस्टीट्यूट के बाहर लिखा था, दिल खोल लेते अपना अगर यारों के साथ, तो आज न खोलना पड़ता औजारों के साथ ...। जी हां, अपने आप में सिमटे रहने से भी दिल सेफ नहीं रहता। क्योंकि इससे स्ट्रेस मैनेज नहीं हो पाता। इन दिनों 28 से लेकर 40 तक उम्र वाले हार्ट पेशंट ज्यादा हैं। इसका मेन रीजन यह माना जाता है कि हमारा जेनेटिक मेकअप ही ऐसा है। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि अगर जेनेटिक रीजन है, तो पहले यह प्रॉब्लम क्यों नहीं थी ? दरअसल, पहले, दूसरे फैक्टर्स कंट्रोल में थे। डाइट और स्ट्रेस में ऐसा असंतुलन नहीं था। अब वेजिटेबल इनटेक कम हो गया है। सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फिजिकल एक्टिविटीज कम होती जा रही है। ऐसे में यंगस्टर्स के लिए जरूरी है कि वे स्मोकिंग पर चेक रखें। रेग्युलर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल चेक कराएं। हर हाल में मेंटल स्ट्रेस कम करें। ग्रुप्स में मिलना और आपस में चीजों को शेयर करना जरूरी है। वर्कप्लेस में भी ग्रुप में घुले–मिलें।

हार्ट अटैक की दो अवस्थाएं

यंग हार्ट अटैक की दो कैटेगिरीज हैं। एक वह जिनके पैरेंट्स को भी यंग एज में हार्ट अटैक की प्रॉब्लम हुई थी। दूसरे वे जो अपनी बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल के चलते इसकी चपेट में आए। वजह चाहे जो भी हो, यूथ को अपने हार्ट की हेल्थ के लिए पहले से ही एक्टिव हो जाना चाहिए। अगर हेरेडिटरी प्रॉब्लम है, तो 40 की उम्र होते ही रेग्यूलर हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल का चेकअप बेहद जरूरी है। इन सबके अलावा यूथ में हार्ट अटैक के लिए स्मोकिंग भी जिम्मेदार है। रॉन्ग इटिंग हैबिट्स भी दिल को बीमार कर सकता है।

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड होते हैं, जो हार्ट के लिए नुकसानदायक होते हैं। पिज्जा और बर्गर जैसे फूड की बजाय फ्रेश ग्रीन वेजिटेबल्स और कलरफुल फ्रूट्स खाना बेहतर रहेगा। दिनभर में कम से कम 5 बार कलरफुल फ्रूट्स और सलाद लें। दरअसल, इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करते हैं। इसके अलावा ऑल्मंड और वॉलनट जैसे हेल्दी नट्स की 40–50 ग्राम क्वांटिटी हर रोज लेना चाहिए। दूसरे हर समय मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़े रहने की वजह से यूथ की फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो गई है। ऐसे में हफ्ते में पांच दिन 3–4 मील पैदल चलना फायदेमंद रहेगा। हर रोज 30–40 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग या वर्कआउट भी रुटीन में शामिल होना चाहिए।

रिस्क फैक्टर

- ओबेसिटी
- स्लीप डिस्ऑर्डर
- डायबिटीज
- एक्सरसाइज में कमी
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- स्मोकिंग
- स्ट्रेस

यह भी करें

- हार्ट एक मसल है, इसलिए प्रोटीन रिच डाइट लें।
- स्ट्रेंथ बिल्डिंग एक्सरसाइज भी जरूरी है।
- हार्ट–स्पेसिफिक न्यूट्रिएंट्स लें।
- ग्रुप्स में घुले–मिलें। इससे स्ट्रेस कम होता है।

नए साल में झारखंड को मिलेगा 4000 मेगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लांट, आत्मनिर्भर होगा झारखंड

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। नए साल 2025 में झारखंड को 4000 मेगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लांट मिलेगा. झारखंड बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा. हालांकि 2024 में ही इस पावर प्लांट को शुरू किया जाना था. राज्य सरकार और एनटीपीसी के साथ हुए समझौते के अनुसार 85 फीसदी बिजली राज्य सरकार को मिलेगी. केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि जो भी सहयोग राज्य सरकार को चाहिए केंद्र की ओर से मिलेगा. केंद्र ने यह भी कहा था कि पावर प्लांट को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराने का प्रयास राज्य सरकार करें.

पतरातू पावर प्लांट की पीएम ने की थी समीक्षा

पीएम नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2022 को पतरातू पावर प्लांट की ऑनलाइन समीक्षा की थी. इस दौरान पीएम मोदी को झारखंड के मुख्य सचिव ने बताया था कि वर्ष 2024 से पतरातू के निमार्णाधीन 4000 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट से बिजली उत्पादन होने लगेगा. अब 2025 में इससे बिजली उत्पादन होने लगेगा.

जेबीवीएनएल व एनटीपीसी के बीच बनी ज्वाइंट वेंचर कंपनी

वर्ष 2015 में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड और एनटीपीसी के बीच ज्वाइंट वेंचर कंपनी पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) बनी. वर्ष 2016 में कंपनी को एनटीपीसी हवाले किया गया. इसके बाद इस वर्ष जनवरी में भेल को इसका कायार्देश दिया गया.

एनटीपीसी व जेबीवीयूएनएल 74:26 का शेयरधारक

करार के अनुसार, एनटीपीसी 74 व जेबीवीयूएनल 26 प्रतिशत की शेयरधारक है. जेबीवीयूएनएल पैसा नहीं लगाएगी. कंपनी जमीन, कोयला व पानी देगी. पैसा एनटीपीसी लगाएगी. एनटीपीसी बैंक से लोन लेकर पैसा लगाएगी और झारखंड सरकार का ऊर्जा विभाग इसकी मॉनिटरिंग करेगा.

नए साल के पहले दिन ठंड से ठिठुरा झारखंड, 5 जनवरी से फिर बदलेगा मौसम

रांची: न्यू ईयर के पहले दिन झारखंड में ठंड ने ठिठुराना शुरू कर दिया. पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने के बाद पहाड़ों से आने वाली सर्द हवाओं की वजह से तापमान में भारी गिरावट आई और लोग ठिठुरने लगे. राजधानी रांची का तापमान एक दिन में करीब 5 डिग्री सेल्सियस गिर गया है. सोमवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास था, जो मंगलवार को गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ गया. अगले 2-3 दिन तक न्यूनतम तापमान में और गिरावट का अनुमान है. पहाड़ों से चलने वाली ठंडी हवाओं का असर झारखंड में देखने को मिल रहा है. मौसम विज्ञान केंद्र का पूवार्नुमान है कि नये साल में राजधानी का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से भी नीचे जा सकता है.

4 जनवरी तक साफ रहेगा झारखंड का मौसम

मौसम केंद्र रांची का पूवार्नुमान है कि 4 जनवरी तक झारखंड में मौसम साफ रहेगा. सुबह में धुंध तथा कोहरा छाया रह सकता है. 5 जनवरी 2025 से मौसम में एक बार फिर बदलाव हो सकता है. राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रह सकते हैं. आंशिक बादल का असर तापमान पर दिख सकता है. बादलों की वजह से न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है. न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर जा सकता है.

राज्यपाल से मुख्य सचिव सहित अन्य ने की मुलाकात, दीं शुभकामनाएं

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी सहित अन्य ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उनको नव वर्ष की मंगलकामनाएं दी। राज्यपाल से राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने भेंट की और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी पुलिस महानिदेशक को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार राज्यपाल से राजभवन में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। राज्यपाल ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसके अलावा राज्यपाल से रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने भेंट कर राज्यपाल को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

भगवान के आशीर्वाद से होगी नववर्ष की शुरूआत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची. नव वर्ष पर मंदिरों में विशेष तैयारी पूरी कर ली गयी है. मंदिरों की साज-सज्जा से लेकर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गयी है. मंदिरों में सुबह से भक्त पहुंचने लगेंगे. इसलिए मंदिर में सुबह ही भक्तों के लिए पट खोल दिये जायेंगे. भक्तों के लिए लोटा और जल सहित अन्य सुविधाओं का भी मंदिरों में ध्यान रखा जायेगा. पहाड़ी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, काली मंदिर मेन रोड, हुनमान मंदिर मेन रोड और साईं धाम सहित अन्य मंदिरों में साल के आखिरी दिन मंगलवार को भी भक्त भगवान को नमन करने और आशीर्वाद लेने पहुंचे. बुधवार को नये साल के मौके पर दिनभर भक्त मंदिर में भगवान का दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे. पहाड़ी मंदिर में चार बजे खुल जायेगा पटपहाड़ी मंदिर में सुबह 3:30 बजे सरकारी पूजा शुरू होगी. चार बजे भक्तों के लिए पट खोल दिया जायेगा. अरघा सिस्टम से भक्त पूजा कर सकेंगे. मंदिर के बाहर जल की विशेष व्यवस्था की गयी है. वॉलेंटियर, जिला प्रशासन और मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी. शाम 6:30 बजे बाबा का विशेष शृंगार होगा. इसके बाद आरती होगी. प्रसाद का वितरण भी किया जायेगा. रात 8:30 बजे पट बंद कर दिया जायेगा. जगन्नाथपुर मंदिर में भी विशेष तैयारीजगन्नाथपुर मंदिर में एक जनवरी को काफी भीड़ रहती है, इसलिए यहां भी विशेष तैयारी की गयी है. इस मौके पर भगवान को नये वस्त्र पहनाये जायेंगे. फूलों से सज्जा की जा रही है. मंदिर में बुधवार को सुबह छह बजे आरती होगी. इसके बाद भक्त भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर सकेंगे. दोपहर 12 बजे अन्न भोग लगेगा. फिर दोपहर 12:10 बजे के बाद मंदिर का पट बंद कर दिया जायेगा. फिर तीन बजे खुलेगा. शाम 7:30 बजे तक पट खुला रहेगा.

नए साल के पहले दिन सिमडेगा मंडल कारा मे औचक छापामारी

रांची: सिमडेगा डीसी निर्देश पर नए साल के पहले दिन यानि बुधवार की सुबह 4:30 बजे से 6:30 तक मंडल कारा सिमडेगा में छापेमारी की गई. जेल के सभी वार्ड, महिला वार्ड, और कारा अस्पताल वार्ड में औचक छापामारी किया गया हालांकि छापेमारी में किसी प्रकार की आपत्तिजनक समान की बरामदगी नहीं हुई है. छापेमारी दल मे कार्यपालक पदाधिकारी सिमडेगा ज्ञानरंजन ज्ञानी, बैजू उराँव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमडेगा रणवीर सिंह पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सिमडेगा, दिनेश कुमार प्रजापति थाना प्रभारी सिमडेगा के साथ 20 दरोगा और 50 सिपाही थे. सूत्रों की माने तो रामगढ़ मे भारतमाला परियोजना मे हुई गोलीबारी को लेकर छापेमारी हुई है. इस घटना का जिम्मा गैंगस्टर अमन साहू गैंग के मयंक सिंह ने ली थी.अमन साहू का खास कहे जाने वाले आकाश रॉय मोनू सिमडेगा मंडल कारा मे ही बंद है.

केके वर्मा को फिर मिला एक्सटेंशन

रांची। झारखंड ऊर्जा संरचरण निगम के एमडी, जेरेडा के निदेशक व जेबीवीएनएल के कार्यकारी निदेशक केके वर्मा को एक वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया है. इससे पूर्व केके वर्मा को सेवानिवृत्ति के बाद तीन वर्षों का अवधि विस्तार देते हुए उपरोक्त पदों पर नियुक्त किया गया था. इसमें एक वर्ष का अवधि विस्तार देते हुए वर्मा की नियुक्ति 31 दिसंबर 2025 तक के लिए या अगले आदेश तक के लिए की गयी है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

रिम्स : नये साल में क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू होगा, 24 घंटे पैथोलॉजी व एमआरआइ जांच की मिलेगी सुविधा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

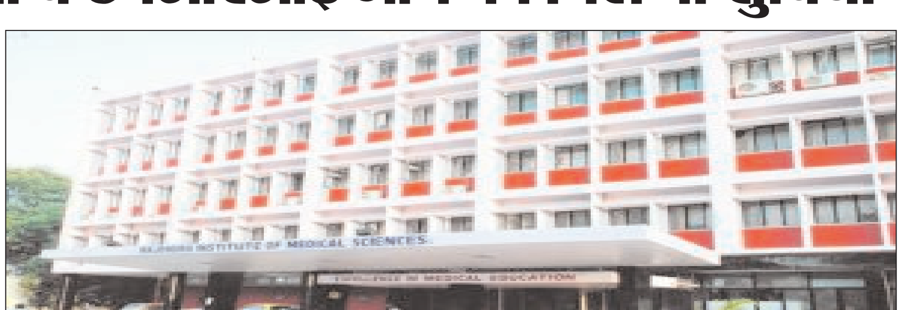

रांची. रिम्स में मरीजों के लिए नया साल राहत लेकर आ रहा है. अब जांच के लिए मरीजों को बिल्डिंग में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा. नये साल में 24 घंटे सेंट्रल लैब काम करेगा. ओपीडी में परामर्श लेने आये मरीज लैब में आकर सैंपल देंगे. यहीं पर उन्हें जांच रिपोर्ट भी मिल जायेगी. वहीं, मार्च के अंत तक क्षेत्रीय नेत्र संस्थान भी काम करने लगेगा. इसके शुरू होते ही आंखों की सभी प्रकार की बीमारी का इलाज संभव होगा. प्री-मिच्योर बच्चों की आंखों का इलाज भी संभव हो जायेगा. इससे मरीजों को आंखों की समस्या के इलाज के लिए महानगरों में नहीं जाना पड़ेगा. मशीन मंगाने की प्रक्रिया शुरूवहीं, रिम्स में करीब ढाई साल से बंद एमआरआइ जांच भी शुरू हो जायेगी. जांच के लिए मशीन मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. कंपनी को मशीन भेजने का वर्कआर्डर दे दिया गया है. उम्मीद है कि मार्च तक मशीन रिम्स को उपलब्ध हो जाये और अप्रैल से एमआरआइ जांच भी शुरू हो जाये. फिलहाल मरीजों को एमआरआइ जांच के लिए निजी जांच सेंटर में जाना पड़ता है.

अल्ट्रासाउंड व एमआरआइ मशीन भी उपलब्ध हो जायेगी

रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में अल्ट्रासाउंड और एमआरआइ मशीन की कमी है. रिम्स प्रबंधन निविदा प्रक्रिया पूरी कर नये साल में मशीन मंगायेगा. करीब 10 नयी मशीनें मंगायी जायेगी. इससे मरीजों को अल्ट्रासाउंड और एक्सरे जांच के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा. वर्तमान में मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए एक से दो दिन तक इंतजार करना पड़ता है.

डीजीपी ने नव प्रोन्नत अधिकारियों को बैज लगाकर किया सम्मानित

रांची। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने नव वर्ष के प्रथम दिन बुधवार को कार्यालय कक्ष में नव प्रोन्नत पुलिस महानिरीक्षक अनुप बिरथरे, पटेल मयूर कन्हैया लाल, पुलिस उप-महानिरीक्षक चन्दन कुमार झा और पुलिस उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा को बैज लगाकर सम्मानित किया । इस अवसर पर एडीजी सुमन गुप्ता, आईजी अभियान अमोल विणुकांत होमकर, आईजी पंकोज कम्बोज, ए विजयालक्ष्मी, कार्तिक एस, डीआईजी नौशाद आलम, शैलेन्द्र वर्णवाल, एसपी अमीत रेणु तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गत मंगलवार रात को इन अधिकारियों को प्रोन्नति दी थी।

राज्य के 59 हजार पारा शिक्षकों की बल्ले-बल्ले, नए साल से मिलेगा बढ़ा हुआ मानदेय

रांची। राज्य के 59 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के लिए खुशखबरी है. नए साल में जनवरी से चार फीसदी बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा. स्कूली शिक्षा विभाग ने अगले तीन साल यानि 2027 तक के लिए बढ़ोत्तरी की राशि तय कर दी है.

जानें कितना मिलेगा मानदेय

जनवरी 2025 से छठी से आठवीं में पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 25,200 रुपए मिलेंगे.

जनवरी 2025 में वर्ग एक से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 23,530 रुपए मिलेंगे.

सिर्फ प्रशिक्षित शिक्षकों छठी से आठवीं तक को पढ़ाने वालों को 20,384 रुपए मिलेंगे.

आकलन परीक्षा पास पारा शिक्षकों को 21,788 रुपये दिये जाएंगे.

सिर्फ प्रशिक्षित वर्ग एक से पांच पारा शिक्षक को 18,816 रुपये दिये जाएंगे.

इस कटेगरी में जो आकलन परीक्षा पास हैं, उन्हें 20,112 रुपये मिलेंगे.

पारा शिक्षकों के मासिक मानदेय की गणना आकलन परीक्षा के परिणाम की तिथि 29 सितंबर 2023 के आधार पर की गई है.

वर्तमान में कितना मिल रहा मानदेय

वर्तमान में जनवरी 2024 से छठी से 8वीं में पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 24,300 और पहली से 5वीं वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 22,680 दिये जा रहे हैं.

वर्तमान में प्रशिक्षित पारा शिक्षकों (वर्ग छह से आठ) को 19,656, जबकि आकलन पास के बाद 21,008 रुपये दिये जा रहे हैं. वर्तमान में सिर्फ प्रशिक्षित (वर्ग एक से पांच) पारा शिक्षकों को 18,144 रुपये और आकलन परीक्षा पास करने वाले को 19,392 दिये जा रहे हैं.

कोल इंडिया रांची मैराथन 2025: तीसरे संस्करण की वेबसाइट लांच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने कोल इंडिया रांची मैराथन के तीसरे संस्करण की आधिकारिक वेबसाइट का उद्घाटन किया है, जो इस प्रतिष्ठित आयोजन की सफलतापूर्वक संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. वेबसाइट का उद्देश्य स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देना है, साथ ही इसमें इस आयोजन से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी. इस वेबसाइट का शुभारंभ सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने बड़े उत्साह के साथ किया. इस अवसर पर उनके साथ सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दूहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए मैराथन के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि सीसीएल कोयला उत्पादन में उत्कृष्टता के साथ-साथ समाज और समुदाय के कल्याण के लिए कई सराहनीय कार्य कर रहा है. इस आयोजन को स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने का अद्भुत मंच बताते हुए उन्होंने इसे समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया. यह मैराथन 9 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी और इसे पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता के आधार पर और भी प्रभावी और आकर्षक बनाने की योजना है. पिछले संस्करणों ने हजारों धावकों को आकर्षित किया और स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती के साथ-साथ एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूती प्रदान की. महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार की मैराथन एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) के साथ पंजीकृत है और इसका मार्ग एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस (AIMS) द्वारा प्रमाणित है. यह आयोजन न केवल पेशेवर धावकों के लिए बल्कि आम नागरिकों के लिए भी एक विशेष अवसर है. तीन प्रमुख श्रेणियों में फुल मैराथन (42 किमी), हाफ मैराथन (21 किमी), और 10 किमी दौड़ आयोजित की जाएंगी. प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार रखे गए हैं, जिसमें फुल मैराथन के शीर्ष विजेताओं को 3.30 लाख, हाफ मैराथन के विजेताओं को 2.20 लाख और 10 किमी दौड़ के विजेताओं को 1.10 लाख का पुरस्कार मिलेगा. कुल मिलाकर 35.10 लाख की पुरस्कार राशि शीर्ष प्रतिभागियों में वितरित की जाएगी. वेबसाइट को नवीनतम तकनीक और उपयोगकर्ता अनुभव को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है. इसमें पंजीकरण पोर्टल, मैराथन रूट की जानकारी, कार्यक्रम का विवरण और दिशा-निर्देश शामिल हैं. ज्ञात हो कि इस वेबसाइट को सीसीएल के इन-हाउस प्रणाली विभाग के अभियंताओं द्वारा तैयार किया गया है. कोल इंडिया रांची मैराथन केवल एक दौड़ प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को प्रसारित करने का अवसर भी है. यह आयोजन सीसीएल की नवाचार और उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता का प्रमाण है. सभी इच्छुक लोग भागीदारी के लिए वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं:

अभियान चलाकर लगभग 48 किलो गांजा भी बरामद किया

राजमहल पुलिस ने पूरे वर्ष में दर्ज 231 मामलों में 80 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज(उजाला)। राजमहल थाना क्षेत्र में पिछले वर्ष आनी 2024 में अपराध पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया गया है. पुलिस ने पूरे वर्ष में दर्ज 231 मामलों में 80 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है. एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाईः पुलिस ने पश्चिम बंगाल सीमा से सटे क्षेत्र में एनडीपीएस एक्ट के तहत व्यापक अभियान चलाकर लगभग 48 किलो गांजा बरामद किया और चार तस्करों को गिरफ्तार किया. यह कार्रवाई पूरे वर्ष चर्चा का विषय रही और क्षेत्र में नशा तस्करी पर प्रभावी रोक लगायी गयी. मोबाइल चोरी पर अंकुशः मोबाइल चोरी की शिकायतों पर पुलिस ने तकनीकी सहयोग से विभिन्न राज्यों में गए 42 मोबाइल वापस लाकर उनके मालिकों को सौंपे. इस कार्रवाई से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है.अन्य अपराधों पर नियंत्रणः आर्म्स एक्ट के दो मामलों में तीन अपराधी गिरफ्तार किए गए. इसके अलावा, 12 अपहृत नाबालिगों को बरामद किया गया और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया. विगत वर्ष की तुलना में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में भी कमी आई है.

कहते हैं राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर

राजमहल थाना में दर्ज किए गए अधिकांश मामलों का वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर उद्देदन कर कार्रवाई की गई है. जिन मामलों का उद्देदन नहीं हुआ है उसे पर भी कार्रवाई जारी है. गुम हुए मोबाइल को मोबाइल धारक तक पहुंचाना यह थाना के लिए उपलब्धि जैसा है.

कड़ाके की ठंड में गरीब बेबस बेसहारा लोगों के लिए युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एखलाक नदीम ने किया कम्बल का वितरण किया

साहिबगंज(उजाला) ।जिलें में पड़ रही कडकड़ाती ठंड में लोग अपने परिवार के साथ घरों में बैठे हैं ।वही इस कड़ाके की ठंड में गरीब बेबस बेसहारा लोगों के लिए युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एखलाक नदीम अपने टीम के साथ आधी रात को साहिबगंज रेलवे स्टेशन के आस पास सहित अन्य जगहों में घूम घूम कर लगभग दो दर्जन से अधिक गरीब लोगों के बीच कम्बल का वितरण किया गया ।इस मौके पर युवा अध्यक्ष एखलाक नदीम ने बताया कि पिछले कई वर्षों से अधिक ठंड पड़ने पर वे और उनके कार्यकर्ता गरीब एवं असहाय लोगो को कम्बल बाटने का कार्य करते आ रहे है ।इस वर्ष भी कांग्रेस के द्वारा कम्बल बांटने का काम किया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी किसी गरीब को कम्बल की आवश्यकता पड़ी तो वे और उनके कार्यकर्ता गरीबों के बीच कम्बल बांटने का काम करेंगे ।ताकि इस ठंढ में लोगों को कुछ राहत मिल सके ।मौके पर मुहम्मद अकरम,सोनू राज,आकाश चौधरी,सौदागर मोहम्मद फि रोज,उमेश मंडल साकिब रब्बानी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

साहिबगाज जिला में धूम धाम से मनाया गया अंग्रेजी नववर्ष

साहिबगंज(उजाला) ।अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर जिला के तलझारी प्रखंड क्षेत्र के मोतीझरना,बरहेट प्रखंड क्षेत्र के शिवगादी धाम, बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के बिंदुवासिनी मंदिर,उधवा प्रखंड क्षेत्र का उधवा पक्षी अभ्यारण, बोरियो प्रखंड क्षेत्र का बोंगाकोचा,मंडरो प्रखंड क्षेत्र का फॉसिल्स पार्क,राजमहल प्रखंड क्षेत्र का कन्हैया स्थान,मां पगली दुर्गा मंदिर मुंडली सहित अन्य पर्यटक स्थल,शहर के पहाड़ की तलहटी,झरना किनारे पिकनिक स्थलों में बिहार झारखंड बंगाल के सैलानी पहुंचे ।जहां पूजा पाठ करके परिवार संग नववर्ष का पहला दिन सेलिब्रेट किया ।ट्रेन, फोर व्हीलर,टू व्हीलर,तीन पहिया वाहन से सैलानी पहुंचकर नववर्ष की खुशी मना रहे है ।डीजे प्रतिबंध के बावजूद युवाओं का उत्साह पिकनिक के लिए कम नहीं हुआ ।ट्रेन में खचाखच भीड़ सैलानी लेकर पहुंची।

भरनो में मनाई गई जय गुरूदेव की जयंती, सत्संग का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मांसाहार का करें परित्याग, बने शाकाहारी : खुदी महली

गुमला। भरनो के बालक मध्य विद्यालय के स्थित जय गुरुदेव आश्रम में बाबा जयगुरुदेव के जन्म दिन के अवसर पर बुधवार को सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ जय गुरुदेव बाबा की तस्बीर पर माल्यार्पण और प्रार्थना कर किया गया ।कार्यक्रम में जिला के प्रवक्ता खुदी महली को श्रद्धालुओं ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सत्संग में गुमला, रांची, लोहरदगा, चैनपुर, डुमरी, सिसई, पालकोट, कोलेबिरा, लापुंग आदि दर्जनों जगहों से श्रद्धालु सैकड़ों की संख्या में उपस्थित हुए। मौके पर सत्संग के प्रवक्ता खुदी महली ने कहा कि लोग तन की सुधि तो कर लेते हैं, लेकिन मन की सुधि के लिये बाबा के सत्संग में आना होगा। क्योंकि सत्संग मनुष्य के जीवात्मा के हित के लिये किया जाता है। उन्होंने कहा कि मन का मैल जब तक नही धुलेगा तक तक कोई भी पूजा सफल नही होगी। संत महात्मा के सत्संग में आने से मन का मैल धूल जाता है, लोग पवित्र हो जाते हैं, मन से बुराइयां दूर हो जाती है। ये तब सम्भव होगा जब आप अपने खान पान पर भी ध्यान देंगे । मांसाहारी लोग तामसी प्रवृति के हो जाते हैं । इसलिए मांसाहार का त्याग करें और शाकाहारी बने । तभी तन और मन शुद्ध रहेगा। मन मे अच्छे ख्याल आएंगे। कलयुग में सत्संग का होना बहुत अनिवार्य है। जिसके लिये बाबा के सत्संग में आने की जरूरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने में झेले उरांव, बंधन उरांव, राजेश प्रजापति, सोमा भगत, सुशीला देवी, गीता देवी, रीता देवी आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

नाव चोरी के आरोप में राधानगर पुलिस ने युवक को भेजा जेल

उधवा/साहिबगंज (उजाला)। राधानगर थाना पुलिस ने बुधवार को नाव चोरी के आरोप में एक युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत के पातु टोला घाट से सोमवार की देर रात्रि को इलियास शेख की एक सवारी नाव को एक युवक चोरी कर फरार हो गया था। नाव मालिक इलियास शेख दूसरे दिन मंगलवार अहले सुबह को जब अपनी नाव के पास पहुंचा तो नाव वहां से गायब मिला। खोजबीन के दौरान बानू टोला चूआर में नाव होने की सुराग मिला। वहां पहुंचने के बाद इलियास शेख की नाव को उक्त युवक दूसरे नाविक के पास 50 हजार रुपए में बेचने की फिराक में लगा था। जिसके बाद उक्त युवक को पकड़कर एक स्कूल में बंधक बना लिया गया था। पुलिस को सूचना मिलने पर थाना के एसआई कन्हाई टुडू मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के चुंगल से उसे छुड़ाकर थाना लाया। उक्त आरोपी राजमहल थाना क्षेत्र के नारायणपुर कमाल टोला निवासी हैदर शेख के पुत्र अताउर शेख के रूप में की गई है। वही मामले को लेकर नाव मालिक के दिए गए आवेदन पर कांड संख्या 01/25 के तहत अताउर शेख के विरुद्ध चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को उक्त आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पत्रकार को पितृ शोक,अंतिम संस्कार

साहिबगंज(उजाला) ।शहर के कुलीपाड़ा, कृष्णा नगर निवासी एक न्यूज चैनल के पत्रकार संजीव सागर के पिता सेवानिवृत रेल कर्मी 85 वर्षीय रामचंद्र का सोमवार को निधन हो गया ।रामचंद्र 2011 में रेलवे आईओडब्ल्यू चतुर्थ वर्गीय पद पर सेवानिवृत हुए थे ।बुधवार को स्थानीय मुनिलाल श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया ।छोटे पुत्र संजीव सागर में पिता को मुखाग्नि दी ।रामचंद्र के बड़े पुत्र मनोज तांती का 2006 में निधन हो गया था। रामचंद्र अपने पीछे पत्नी द्रौपती देवी,पुत्र राजकुमार तांती,ओमप्रकाश तांती,संजीव सागर,पुत्री रूपा कुमारी,राधिका कुमारी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं ।इधर उनके निधन पर जिला भर के पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है।

नो हेलमेट नो फ्यूलस् एवं स्नो सीट बेल्ट नो फ्यूल का अभियान चलाया गया

साहिबगंज(उजाला) ।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के अंतर्गत जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में बुधवार को साहिबगंज जिले के सभी पेट्रोल पंप पर स्नो हेलमेट नो फ्यूलस् एवं स्नो सीट बेल्ट नो फ्यूलस् का अभियान चलाया गया ।सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील होने का आग्रह किया गया एवं सभी को बताया गया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करे एवं जिले एवं राज्य में हो रहे सड़क दुर्घटना में कमी ला सके एवं अपने एवं दूसरों का अनमोल जीवन की रक्षा कर सके ।हर साल सड़क दुर्घटना में अनेकों जीवन की हानि हो रही है जिसे सड़क सुरक्षा के नियम एवं उपकरण जैसे हेलमेट, सीट बेल्ट आदि का प्रयोग कर सड़क हादसों से बचा जा सकता है ।मौके पर सड़क सुरक्षा सदस्य मौजूद रहे।

सामाजिक संगठन को मजबूत करने की जरूरतर : नारायण मोदी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

कोडरमा। नए साल पर बुधवार को बरनवाल सेवा सदन में अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी, रेड क्रॉस के चेयरमैन अजीत बरनवाल, बन्धन बैंक के प्रबंधक जय कुमार, कन्हैया लाल बरनवाल, निरंजन प्रसाद मौजूद थे। वहीं अतिथियों के साथ ही समाज के सतीश कुमार दीपू, शम्भू लाल, महादेव लाल और गोपाल प्रसाद ने महाराज अहिबरन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की ।कार्यक्रम का संचालन आरके बसन्त ने किया। पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी ने कहा कि इस तरह के आयोजन जरूरी हैं। समाज को आगे बढाने और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह समाज आगे बढ़ रहा है यह हर्ष का विषय है। रेड क्रॉस के चेयरमैन अजीत बरनवाल ने नए साल की शुभकामना देते हुए कहा कि इससे समाज की एकता को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि समाज संगठित रहेगा तो आगे बढ़ेगा। बैंक प्रबंधक जय कुमार ने समाज की एकता पर बल देते हुए सकारात्मक कार्य करने की अपील की। इस दौरान आयोजित म्युजिकल चेयर में रेखा बरनवाल, सोनी बरनवाल, श्वेता आनंद, जलेबी रेस में अमाया, तानवी, आरुही, चम्मच दौड़ जूनियर में ऋषिका बरनवाल, आरव, काव्या और सीनियर में तानवी, नित्या और प्रिंस आर्या विजयी रहे। इस दौरान स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। ग्रुप के सुधीर पांडेय, दीपक सिंह, आनंद मुखर्जी, विकास कुमार, प्रेम भारती, मोना कुमारी, आराधना देवी, राजा चौरसिया, पंकज कुमार ने भजन और गानों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीव समीर, निरंजन लाल, महादेव लाल, अक्षय बरनवाल, आशीष कुमार, संजय कुमार, विक्की बरनवाल, दिवाकर, रमेश, सुबोध, बिट्टू, राहुल, दीपक, उमेश लाल, दीपक, परमानंद, जनार्दन, कांता लाल, अशोक बरनवाल, प्रमोद, गोपाल प्रसाद सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

नए साल में पतरातू डैम में सैलानी एवं पिकनिक मनाने वालों की उमड़ी भीड़

पतरातु। नए साल में बुधवार को पतरातू डैम परिसर में सैलानी और पिकनिक मनाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। डैम परिसर में सैकड़ों लोगों ने पिकनिक का लुत्फ उठाया। पिकनिक मनाने वाले लोग डैम परिसर में टेन्ट और खुले आसमान के नीचे पिकनिक मनाया। जहां पर वनभोज मनाने वाले लोग डैम परिसर में ही एक से बढ़कर एक लजीज भोजन तैयार किया। यहां पहुंचे सैलानियों ने नौका विहार का आनंद लिया। वहीं पतरातू पुलिस पतरातू डैम में सैलानियों की सुरक्षा को लेकर मुस्तेद दिखी।

रामगढ़ जिला के विभिन्न पिकनिक स्पॉट में मनाया गया नया साल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। झारखंड की राजधानी रांची से सटे जिला रामगढ़ प्रकृति की गोद में बसा है। जिसको लेकर नया साल आते ही दूर दराज के पर्यटक पिकनिक मनाने आते हैं। रामगढ़ में सिद्ध पीठ छिन्नमस्ता देवी की मंदिर, पतरातु लेक रिसॉर्ट,पालनी जल प्रपात, भैरवी जलाशय, और गोला से दस किलोमीटर दूर धारा फॉल से रामगढ़ जिला को अलग ही गौरव प्राप्त है। नया साल पहुंचते ही इन क्षेत्र में पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगती हैं। विशेष कर पतरातू डैम में पर्यटकों की भीड़ लगनी शुरू हो जाती है। इस वजह है कि इस डैम का दृश्य बेहद खूबसूरत है। लेकिन अगर पतरातू में ही किसी अन्य खूबसूरत पिकनिक स्पॉट की तलाश में है तो हम आपको इसके बारे में पूरी जानकारी देंगे। हम बात कर रहे हैं पतरातू लेक रिसॉर्ट से महज सात किलो मीटर की दूरी पर स्थित पलानी जलप्रपात बेहद खूबसूरत है। पलानी जलप्रपात के आसपास का प्राकृतिक दृश्य चट्टानों के ऊंचे टीले से कल-कल गिरता पानी पलानी जलप्रपात की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। इसके अलावा इसके आसपास का प्राकृतिक दृश्य की भी खूबसूरती बेहद मनमोहक है। ठंड का मौसम शुरू होते ही यहां पर पिकनिक मनाने वालों की भीड़ लग जाती है। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए लोगों को कच्ची सड़कों से होकर जाना पड़ता है। क्योंकि अभी तक यहां पर पक्की सड़कें नहीं बिछ पायी है।

150 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरता है पानी

रामगढ़ के पतरातू में स्थित पलानी जलप्रपात की खास बात ये है कि 150 फीट ऊंचे पहाड़ से पानी नीचे गिरता है। दूर से ही इसकी आवाज सुनाई दे जाती है। हालांकि प्रशासन की तरफ से इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। न ही यहां पर्यटकों के लिए कोई व्यू प्वॉइंट है और न ही इसके आसपास ठहरने और भोजन करने के लिए अच्छा होटल है। न ही कोई शौचालय की व्यवस्था है।

गोला भैरवी जलाशय डैम

गोला भैरवी जलाशय डैम वर्ष 2016 में पूर्ण होने के बाद आस पास के लोगों के लिए पिकनिक स्पोर्ट के लिए एक खूबसूरत जगह है। यहां की कलकलाती पानी काफी आकर्षक लगता है। पर्यटकों को लुभाने के लिए वोटिंग भी कराया जाता हैं। ग्रामीण क्षेत्र में बसा ये जलाशय पिकनिक स्पोर्ट के लिए बहुत अच्छा जगह है। भैरवी जलाशय डैम अपनी कलकलाती जल और वोटिंग के लिए प्रसिद्ध है। आज लगभग सैकड़ो लोग भैरवी जलाशय डैम में अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाया। वही पचास से अधिक युवा ग्रुप के साथ डीजे साउंड लेकर नया साल का आनन्द लिया।

धारा फॉल गोला

गोला प्रखंड कार्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर चोकाद पंचायत के ऊपरखखरा में स्थितचारों ओर से जंगल से घिरा ये धारा फॉल काफी चर्चित है। यहां पहाड़ों के बीच से बहती नदी की धारा लगभग 20 फीट से गिरती है जो पर्यटकों को आकर्षित का केन्द्र है। यहां भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता की एक मंदिर है। जहां पर्यटक जल धारा में स्नान कर पूजा पाठ करते हैं। यह स्पोर्ट के साथ तीर्थ स्थल के रूप में भी प्रसिद्ध हैं। यहां सभी समुदाय के लोग नया साल मनाने आते है। जिससे हमारे देश को गौरव प्राप्त धर्म निरपेक्ष को सत्यापित करता हैं।

प्रतिबंधित गौ मांस के साथ एक गिरफ्तार

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चेचाई में प्रतिबंधित गौ मांस के साथ एक युवक को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान मो साहिल अहमद के रुप में की गयी है। वह चेचाई गांव का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित गौ मांस के साथ आरोपित को गिरफ्तार किया गया ।कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि चेचाई में मो साहिल के बाउंड्री से घर नुमा जगह से लगभग 100 केजी प्रतिबंधित मांस जब्त करते हुए उक्त युवक को गिरफ्तार किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार वहां इस तरह की घटना हमेशा होती है और मुख्य आरोपित गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश के लिए संभावित ठिकानों में छापेमारी की जा रही है।

चोरों ने की दो घरों में नगदी सहित लाखों रुपए की आभूषण चोरी

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अन्तर्ग कुलहीया पंचायत के दो घरों में बीते मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने नगदी सहित लाखों रुपए मूल्य के सोने चांदी के कई आभूषण की चोरी कर ली। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि लादी वादी ग्राम निवासी द्वारिका रजक और फुलवरिया टोला निवासी रविन्द्र यादव के घर अज्ञात चोरों ने चोरी की है। इसकी जानकारी भुक्तभोगियों के द्वारा स्थानीय थाना पुलिस को दे दी गई है। यह बताया गया कि द्वारिका रजक के घर से नगद और आभूषण सहित 47 हजार रुपए तथा रविन्द्र यादव के घर से नगद और आभूषण सहित 3.10 लाख रुपए से अधिक की चोरी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद चोरों ने गांव के समीप आहार (खेत) में बक्सा और अन्य सामान फेंका हुआ पाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उधर राजद के जिला महासचिव संजय कुमार यादव ने चोरी के मामले में जल्द उद्भेदन करने की मांग की है।

सत्य सनातन संस्था में कल्पतरु दिवस पर किया हजारों लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप भोजन वितरण

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : सत्य सनातन संस्था ने बुधवार को कल्पतरु दिवस के उपलक्ष पर हाटपाड़ा मुख्य सड़क के निकट स्थित हनुमान मंदिर के समीप एवं तलवाडांगा स्थित महाकाल शक्ति पीठ मंदिर में स्थित कल्पतरु के पूजन उपरांत श्री हनुमान जी का पूजन, आरती वैदिक मंत्रोंउच्चारण के साथ पुरोहित रोहित दास ने करवाया इसके उपरांत सत्य सनातन संस्था ने निशुल्क शिविर लगाकर हजारों लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप भोजन का वितरण किया एवं जागरूक लोगों के बीच हनुमान चालीसा का भी वितरण किया , इस बार संस्था ने और एक अच्छी कार्य किया , संस्था के सदस्यों ने एक रथ पर प्रशाद लेकर, मोहल्ला - मोहल्ला में पार्षद वितरण भी किया, मौके पर सत्य सनातन संस्था के अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे ने कहा कि जहां कलेंडर दिवस पर कुछ सनातनी लोग अपनी सभ्यता और संस्कृति को भूल कर, आधुनिकता की चका - चौध में अच्छे - अच्छे पकवान, बनाकर ग्रहण करते है वहीं कई लोग इन सब से वंचित रहते है , इसीलिए सत्य सनातन संस्था विगत 6 वर्षों से कल्पतरु दिवस पर हजारों लोगों को प्रसाद स्वरूप पूरी, सब्जी , बुंदिया का भोजन स्वरूप वितरण करती है । इसी निमित्त इस वर्ष भी कल्पतरु दिवस को उपलक्ष पर सत्य सनातन संस्था यह कार्यक्रम के साथ ही हनुमान चालीसा का भी वितरण किया । तथा संस्था के कोषाध्यक अमर ठाकुर के पिता देवानंद ठाकुर, व संस्था के सदस्य मिंटू गिरी की माता कलावती देवी जिनका स्वर्गवास कुछ दिन पहले हुआ,उनको श्रद्धांजलि भी दिया गया, श्री चौबे ये भी कहा कि सत्य सनातन संस्था सभी लोगों के सहयोग से यह कार्यक्रम कर पाती है इसके अलावे सत्य सनातन संस्था रक्तदान एवं जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग , अहसाय लोगों के बीच दाह संस्कार इत्यादि में आर्थिक सहयोग एवं शारीरिक सहयोग करती है तथा धार्मिक कार्यों में जुड़कर कार्य करती है सत्य सनातन संस्था सभी सनातनियों को संस्था से जुड़कर कार्य करने की आग्रह करती है , इसमें मात्री शक्ति सोनी सिंह, निवेदिता पाण्डेय, कोमल स्नेहा, राजवी चौबे ,ने बढ़ चढ़ कर सहयोग किया,मौके पर उपाध्यक्ष गौतम कुमार, आर पी सिंह, राकेश सिंह , संतोष कुमार, विशाल भगत,भारत यादव, सत्यम भगत,अमित साहा, शानू रजक,विशाल यादव,अभिजीत आनंद, कमल किशोर , निपेंद्र उपाध्याय,हर्ष भगत,अजय भगत,संदीप त्रिवेदी, रवि भगत, विक्की श्रीवास्तव ,सत्यम कृष्णा, चंदन प्रकाश,राजेश भास्कर, उदय लखवानी , दिलीप सिंह, हरे राम चौबे,संतोष टिबरीवाल, रमन मिश्रा, किशन भगत, हिमांशु शेखर,मयंक कुमार ,यश कुमार ,एवं दर्जनों उपस्थित रहे।

डीईओ सह डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

उप निर्वाचन पदाधिकारी को मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को प्रतिवेदन भेजने का दिया निर्देश

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : समाहरणालय स्थित ईवीएम वेयर हाउस का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने निरीक्षण किया। डीईओ ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी से लिया। उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख झ रखाव का जायजा लिया। उल्लेखनीय हो कि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को समर्पित करना होता है।इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निरीक्षण करते हुए उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजने का निर्देश दिया।

नये वर्ष के दौरान पिकनिक स्पॉटों पर विधि-व्यवस्था व जिले के पर्यटक स्थलों को विकसित करने को लेकर डीडीसी ने संबंधितों संग बैठक की

मंदिरो एवं जलाशय वाले पिकनिक स्थलों पर विशेष निगरानी की आवश्यकता : उप विकास आयुक्त

झारखंड उजाला, संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू : उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में नये वर्ष के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण एवं भविष्य में जिले के पर्यटक स्थलों को विकसित करने को लेकर विभिन्न पदाधिकारियों संग बैठक की।बैठक में पिकनिक स्पॉटों पर उमड़ने वाड़ी भीड़ को नियंत्रित करने,पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने व किसी भी तरह के दुर्घटना से कैसे बचा जाये इस विषय पर चर्चा किया गया।इस संबंध में उन्होंने कहा कि अंग्रेजी नव वर्ष आगमन के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक मनाने के लिए भारी भीड़ की संभावना रहती है।उन्होंने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी व बीडीओ-सीओ को अपने स्तर से इस पर निगरानी रखने की बात कही।उन्होंने सभी पदाधिकारियों को उनके क्षेत्र अंतर्गत मंदिरो एवं जलाशय वाले पिकनिक स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने की बात कही है।बैठक में सभी पर्यटक स्थलों पर सेल्फी बूथ,पर्याप्त लाइट एवं समुचित शौचालय की व्यवस्था के अलावे क्या-क्या किया जा सकता है से संबंधित विषय पर भी चर्चा किया गया।बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,निदेशक डीआरडीए रतन सिंह,एनडीसी विक्रम आनंद,कल्याण पदाधिकारी सेवाराम साहू,शिक्षा अधीक्षक, डीआईओ रणबीर सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

जल स्रोतों के निकट जाने में सावधानी बरतें,शराब का सेवन कर वाहन चलाने से बचने की अपील

उप विकास आयुक्त श्री अहमद ने आमजनों से प्राकृतिक स्थलों विशेषकर जल स्रोतों के निकट जाने में सावधानी बरतने की अपील की है साथ ही बोटिंग आदि करने से पूर्व सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखने का अनुरोध किया है।उन्होंने जलाशयों में स्नान करने या पानी में उतरने से बचने की अपील की है।उन्होंने वाहनों का परिचालन करते समय शराब का सेवन नहीं करने की अपील की है।

जिला कृषि पदाधिकारी एवं अपर लोक अभियोजक हुए सेवामुक्त

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, अपर लोक अभियोजक महेन्द्र दास के सेवानिवृति पर उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर सभी पदाधिकारीयों को मुख्य रुप से बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने सेवानिवृत हुए जिला कृषि पदाधिकारी, अपर लोक अभियोजक महेन्द्र दास के आगे के जीवन सुखमय तरीके से कटने की मंगल कामना की। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, आईटीडीए निर्देशक अरुण कुमार एक्का, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

सामाजिक कार्यकताओं के पहल पर डायन बिसाही के मामले सुलझे

झारखंड उजाला, संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। डायन-बिसाही मामलों को रोकने के लिए सरकार कई जागरूकता अभियान चलाएं हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी विशेष असर नहीं पड़ रहा है।इसके खिलाफ सरकार ने कड़े कानून भी बनाए हैं।लेकिन जागरूकता की कमी और अंधविश्वास के कारण ए प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है। इसी तरह के पलामू जिले के हरिहरगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम तरवन खुर्द में अशिक्षा और अंधविश्वास के कारण सुरेश राम के पत्नी कलपतिया देवी को बीते कई सालों से डायन कह कर प्रताड़ित किया जा रहा था। आखिरकार वह पुलिस की सहयोग ली। वहीं समय रहते मामले में पुलिस ने हस्तक्षेप कर भगरतिया देवी, लालबंश राम, मंटू राम और पिंटू राम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। अब वे लोग समझौते पर सहमति जताई है। इसमें पीड़ित के पुत्र डॉक्टर नरेंद्र प्रियदर्शी ने पहल की और सामाजिक कार्यकताओं के साथ बैठक की। वहीं सामाजिक कार्यकताओं ने बीते मंगलवार को बैठक कर समझाया व कहा कि डायन-बिसाही जैसे कुरीतियों से समाज का कल्याण नहीं हुआ है। इससे आपस में ही विवाद उत्पन्न होगा। साथ ही आर्थिक और आपसी विवाद बढ़ेंगे। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता राजीव रंजन, संजय गुप्ता, सपा नेता कमलेश यादव,आरपी बौद्ध, सूरजमल रवि, श्याम सुंदर देहाती, अवधेश राम, जनेश्वर रवि, सरयू मेहता, बलराम मेहता, रंजीत पासवान, सुरेंद्र पासवान, रामप्रसाद राम, महेश राम, रामजी यादव, प्रमोद यादव, उमेश भुइयां, केदार कुमार रवि, लक्ष्मण राम, दिलकेश्वर राम, विनोद बैठा, रवि कुमार, बालचंद राम समेत कई लोग शामिल थे।जिसमें डॉ नरेंद्र प्रियदर्शी का भूमिका रहा!

स्वास्थ्य जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों के लोगों को 4 जनवरी को आयोजित होने वाले हेल्थ हूल महोत्सव के बारे में संदेश देगी : उपायुक्त

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य हूल महोत्सव में रांची रिम्स के अनुभवी डॉ भारती कश्यप एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ मेले में शामिल होंगे। स्वास्थ्य हूल महोत्सव में जिले के वैसे महिला जिनको सर्वाइकल कैंसर हो या मोतियाबिंद से संबंधित समस्या हो वैसे महिलाओं का निःशुल्क जांच किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर राज्य स्तर पर ईलाज किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि वैसे महिलाएं जिनको सर्वाइकल कैंसर या मोतियाबिंद से संबंधित समस्याएं हैं व 04 जनवरी 2025 को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़ में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य हूल महोत्सव में शामिल होने का अपील किया। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों के लोगों को 4 जनवरी को आयोजित होने वाले हेल्थ हूल महोत्सव के बारे में संदेश देगी।

फुटबॉल टूनार्मेंट प्रतियोगिता में जुली खिष्टमणी हेम्ब्रम ने की भागीदारी

पाकुड़ : पाकुड़िया प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भालुकचुमा में न्यू जागृति क्लब की ओर से तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। जिसमें 32 टीम के खिलाड़ियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। इस आयोजित टूनार्मेंट के बतौर मुख्यातिथि जूली खृष्टमणी हेम्ब्रम व मुखिया सलोनी बेसरा के पहुंचते ही आयोजकों की ओर से उनकी जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। इस तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट में एफसी ठाकुरपुरा एवं एफसी हांगकांग के टीम ने अपनी प्रतिभा को निखारते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहे। इस दौरान खचाखच भरे दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से पूरी खेल मैदान गूंज उठी। मौके पर क्लब की अध्यक्ष साइमन मरांडी, सचिव जयराम सोरेन, बनफास सोरेन, बिनय जुलियास, ग्राम प्रधान पारमि हेम्ब्रम आदि सहित काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

नपं बनने से 13 जल सहिया बेरोजगारी का झेल रहे हैं दंश

झारखंड उजाला, संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। 2019-20 में हरिहरगंज शहर नगर पंचायत घोषित होने के बाद से ग्रामीण विकास विभाग में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2011 से काम कर रही 13 जल सहिया आज बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। उनके उपर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गई है। इस दौरान एक जल सहिया वीणा कुमारी हरिहरगंज नपं कार्यालय पहुंच कर महिला प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष कुशवाहा संगीता से विधायक संजय सिंह यादव के नाम आवेदन देकर समस्या से निदान की मांग की है। जल सहिया वीणा कुमारी ने बताया कि शौचालय निर्माण से जागरूकता अभियान तक पूरी ईमानदारी के साथ हम लोगों ने काम की है। नगर पंचायत बनने से बेरोजगार बन बैठे हैं। मानदेय एक हजार ही प्रति माह मिलता था पर हम लोगों के पास कुछ आधार था।

कांग्रेस नेत्री सह निवर्तमान पार्षद मोनिता कुमारी ने क्रिकेट टूनार्मेंट का किया उद्घाटन

पाकुड़ : नव वर्ष के शुभ अवसर पर पाकुड़ नगर के वार्ड नंबर 11 के कैलाश नगर में क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन कैलाशनगर प्रीमियर लीग के द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कांग्रेस नेत्री सह निवर्तमान पार्षद मोनिता कुमारी ने फीता काट कर टूनार्मेंट का शुरूआत किया । कैलाशनगर प्रीमियर लीग प्रत्येक वर्ष नए साल के उपलक्ष पर दो दिवसीय टूनार्मेंट आयोजित किया जाता है जिसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेती है जो कि पांच पांच ओवर का खेल होता है इस खेल में गुमानी,कोटालपोखर सहित पाकुड़ प्रखंड की टीम इस प्रतियोगिता में शामिल होते हैं। मोनिता कुमारी ने फीता काटने के उपरांत अपने अभिवादन में सभी टीमों के खिलाड़ियों से कहा कि हमारे झारखंड के ही खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी है जो पूरे विश्व में विख्यात है इस लिए मन लगा खेलें और जिले सहित राज्य का नाम रौशन करें। साथ ही कैलाशनगर प्रीमियर लीग आयोजित करता को भी शुभकामनाएं दी।

सहायक अध्यापक रामजी प्रसाद का निधन, संघ सहित कई लोगों ने दी श्रद्धांजलि

झारखंड उजाला ,ब्यूरो पलामू

छतरपुर, (पलामू): छतरपुर प्रखंड अंतर्गत न्यू प्राथमिक विद्यालय कोकरो के सहायक अध्यापक सह सचिव रामजी प्रसाद (50वर्ष) का बीते रात्रि मंगलवार को निधन हो गाय। जो अवैध में घोषित हो गए थे। आपको बताते चले कि वह कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे और इतनी विकट परिस्थिति में ड्यूटी का पैसा नहीं दिया गया था संघ सहित कई लोगों ने आर्थिक सहयोग कर उन्हें ईलाज भी करवाया गया था ईलाज कराने के बाद वह घर पर लौट आये थे इसी क्रम में बीती रात्रि करीब 12 बजे उनका निधन हो गया है निधन के बाद पुरे इलाके में शोक की लहर फैल गयी। रामजी प्रसाद अपने पुरे भरे परिवार छोड़ चले गए ।उनके घर वाले को रो रोकर बुरा हाल है जो हम सभी के लिए बहुत दुःख की बात हैं। भगवान उनकी आत्मा की शांति दे।

मदरसा जामिया अरबिया दारुल उलूम देवतला में वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों को सही तालीम देना जरूरी : मो0 मोताहार हुसैन

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़: पाकुड़ सदर प्रखंड के देवतला गांव स्थित मदरसा जामिया अरबिया दारुल उलूम अस सलाफिया में मंगलवार देर रात को वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मदरसा के छात्रों एवं स्थानीय समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस दौरान कई प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कामयाब छात्रों को मदरसा के प्रिंसिपल मोहम्मद मोताहार हुसैन असारी द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रिंसिपल मोहम्मद मोताहार हुसैन असारी ने कहा कि मुस्लिम समाज को अपने बच्चों को ऐसी तालीम दिलानी चाहिए, जिससे वह अपनी कौम के साथ मुल्क की तरक्की में भी अहम भूमिका अदा कर सकें। इसके लिए बच्चों में दीनी व असरी तालीम भी होना जरूरी है।इससे पूर्व स्थानीय समाजसेवी व गण्यमान्यों ने मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों की शैक्षिक योग्यता पर संतोष जाहिर किया और मदरसा प्रबंधक कमेटी की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को और कठोर परिश्रम करने की सलाह देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वही मदरसा प्रबंधन के संपादक असीकुल शेख ने कहा कि शिक्षा के जरिए लोगों के जीवन मैं बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को नसीहत करते हुए कहा कि अपने और अपने परिवार के बेहतर कल के लिए शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार व शहर का नाम रोशन करें। जीवन में सफलता प्राप्त कर अपने उद्देश्यों को पूरा करें। असीकुल ने यह भी बताया कि गांव में महिला मदरसा की निर्माण की कवायात शुरू की गई है। जल्द ही महिला मदरसा का निर्माण स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से किया जाएगा। वहीं किस्मत कदमसर के मुखिया आरिफ हुसैन ने कहा कि शिक्षा के जरिए लोगों के जीवन मैं बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को नसीहत करते हुए कहा कि अपने और अपने परिवार के बेहतर कल के लिए शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार व शहर का नाम रोशन करें। जीवन में सफलता प्राप्त कर अपने उद्देश्यों को पूरा करें यह कहना है।वही मदरसा के कैसियर सबीरुद्दीन शेख सक्रिय सदस्य सामसुद्दिन शेख ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और आगे भी इस तरह की प्रतियोगिता मदरसे में होने की बात कही। बता दें कि इस मदरसे में क्षेत्र के करीब 800 से अधिक छात्रों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। छात्र मदरसा में रहकर ही शिक्षा प्राप्त करते हैं। रहना खाना भी सबके लिए निशुल्क है। मदरसा के बच्चों ने बताया कि हाफिज के साथ साथ व कंप्यूटर साइंस, मेडिकल, प्रशासनिक नौकरी में भी अपने भविष्य की तलाश के लिए आगे की शिक्षा जारी रखेंगे, ताकि समाज में संस्कार के साथ-साथ शिक्षा के महत्व को भी समझा जा सके।इस मौके पर शिक्षक मोहम्मद दिलदार हुसैन मदनी, सलाहुद्दीन शेख सलाफी, अशराफुल हक सलाफी, मोहम्मद आलम सलाफी, बनी इसराइल अरफी, मोहम्मद मोतिउर रहमान, फखरुद्दीन मोहम्मदी, नसीरुद्दीन रहमानी, जियाउर रहमान सलफी, मोहम्मद ओलीउल्लाह अलियावी, सफीक मोल्ला, तफज्जुल हुसैन, बदरुल इस्लाम, मोहम्मद शफीउर रहमान, जर्जिस अली, अब्दुल हमीद, सलमान अहमद, रजाउल हक व मदरसा कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

जिले भर में धूमधाम से मनाया गया नव वर्ष का पहला दिन

यासिर अराफात@ झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : नव वर्ष 2025 के शुभ आगमन से बुधवार को लोगों में भारी उत्साह देखा गया. नव वर्ष की खुशियों में शामिल होते हुए लोग जिले के अलग-अलग स्थान पर पिकनिक मनाते हुए देखे गए. कई जगहों पर नए साल का संगीत के साथ स्वागत किया गया. पाकुड़ नगर का एकमात्र पार्क सिद्धू कान्हू मुर्मू एवं लड्डू बाबू आम बागान में लोगों के घूमने फिरने और पिकनिक मनाने का दृश्य देखा गया. वही लोग नए साल की नई सुबह मंदिरों में भी नजर आए. नए साल के मौके पर लोगों ने अपने और अपने परिवार के लिए ईश्वर से खुशहाली की प्रार्थना की. वही बहुत सारे लोग अपनी खुशियां मनाने के लिए की अलग-अलग जगह पर घूमने निकले. खासकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित नवाबों के खानदानी निशानी देखने के लिए हजारद्वारी का भ्रमण करते हुए भी लोगों ने नव वर्ष मनाया. नए साल के मौके पर लोगों में एक नई उम्मीद और एक नई शुरूआत करने की प्लानिंग भी देखी गई. वहीं युवाओं ने शहर के आर के पैलेस होटल एवं मुस्कान होटल जैसे रेस्टोरेंट पर जमकर नए साल का जश्न मनाया. शहर में नए साल की स्वागत के लिए जगह-जगह लाइट की व्यवस्था की गई. सभी होटलों एवं रेस्टोरेंट को खूबसूरत तरीके से सजाया गया.

मां अष्टभुजी कांडाबेर में नव वर्ष पर लगी लंबी कतार

केरेडारी/हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड मुख्यालय से 10 किलोमीटर के दुरी पर क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राचीन मां अष्टभुजी मंदिर कंडाबेर के परिसर में प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी अंग्रेजी महीना के अनुसार नया साल के रूप में श्रद्धालुओं को लगी भीड़ सभी लोग पहुंचे। पूजा आर्चना करने मौके पर कंडाबेर, बेलतु बारियातु, गुरगुटीया, पतरा खूर्द, जमीरा, पतरा कलां , गर्री कलां, गरीखुर्द,देवरिया कलां, सिरमा ,इतीज,नवाडीह, बसारिया एवं अन्य गांव की ग्रामीणों ही पहुंच पाते हैं जल्दी पूजा करने के लिए। हालांकि इसके अलावा भी दूर दरार के गांव से ठंड के दिनों में है सुबह से ही चल कर मां अष्टभुजी के दर्शन करने आते हैं। इस मां अष्टभुजी की अगल-बगल पेड़ पौधे लगाए गए गए हैं जिन्हें काटना प्रतिबंधित है साफ तौर पर इस क्षेत्र में हरियाली ही छाई हुई है और इन्हें पेड़ पौधे में जिस तरह से बहन भाई को राखी बांधती है ठीक उसी प्रकार से 28 दिसंबर के दिन सभी बहनों भाइयों मिलकर इस पेड़ पौधे के राखी बांधते हैं। अर्थात उसे दिन में करीब 5000 के भिंड होती है और तड़प-तरह के नाटक नुक्कड़ एवं गीत संगीत तथा कई विद्यालयों से आए हुए छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हैं।

कौलेश्वरी के वन आरोग्य पार्क में नए साल पर उमड़ी सैलानियों की भीड़

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के विश्व विख्यात पर्यटन स्थल मां कौलेश्वरी हटवरिया गांव वन आरोग्य पार्क नए साल में सैलानियों की पहली पसंद बना रहा।कड़ाके की ठंड के बावजूद 2025 के पहले दिन को यादगार के लिए सैलानी बड़ी संख्या में कौलेश्वरी वन आरोग्य पार्क आए।पार्क में जिले के साथ-साथ सीमांचल राज्य बिहार के पर्यटक भी यहां आए खूब एंजॉय किया।पार्क में कहीं युवा जोड़ा सेल्फी लेता नजर आया तो कहीं घास पे बच्चे खेलते दिखाई दिए।हालांकि दोपहर के बाद सूरज निकलने से लोगों के चेहरे खिल गए। वहीं बच्चे झूला झूलते हुए तस्वीर खींचवाने में मगन दिखें। इस वर्ष पहली शुरूआत में है वन विभाग ने तालाब के बीचों - बीच भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा (मूर्ति) स्थापित कर पार्क में आकर्षण का केंद्र बना दिया है।पार्क में पहुंची बिहार डोभी के बहनों में राखी कुमारी ने बताया कि मां कौलेश्वरी मंदिर पूजा अर्चना के लिए आई थी देखा कि यहां वन विभाग ने पार्क बनाया है अंदर पहली बार इस पार्क में प्रवेश की उन्हें यहां की खूबसूरती काफी पसंद आई। यहां पेड़ पौधों की कई दुर्लभ प्रजातियां देखने को मिली है जो कहीं और नजर नहीं आती है।यहां दूर से आये सैलानियों को देखकर भी अच्छा लग रहा है।सुरक्षा के लिए 20 पुलिसकर्मी तैनात रहें इस दौरान एक सैलानी अपनी छोटी बच्चियों के साथ जोरी से आई पूजा ने बताया कि यहां आकर दिल खुश हो गया. बच्चियों को भी ये पार्क काफी पसंद आया है।वन विभाग के वनपाल चंदन कुमार ने बताया कि नए साल को खूबसूरत बनाने के लिए यहां आसपास के प्रखण्ड सहित सीमांत राज्य बिहार से भी हजारों सैलानी पहुंच रहे हैं। पार्क में सुरक्षा को लेकर तकरीबन 20 पुलिसकर्मियों को लगाया गया। 60 एकड़ क्षेत्र में फैला है पार्क चारों तरफ हरियाली और पहाड़ प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगाते वन आरोग्य पार्क हंटरगंज प्रखंड से करीब 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। जो प्रकृति की हसीन वादियों के बीच जंगल, पहाड़ और हरियाली से घिरा हुआ है।यहां की चार-चांद लगा देता है, पूरे परिवार के साथ यहां पर सैलानी पिकनिक मनाने आ रहे हैं।

उपविकास आयुक्त स्पेस्टिक विद्यायल पहुंचकर दिव्यांग बच्चों संग मनाया नववर्ष, बच्चों को दिया मिठाई व फल

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला ब्यूरो।

हजारीबाग। उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद ने नववर्ष के अवसर पर स्पेस्टिक विद्यालय के मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के संग न्यू ईयर मनाया। उप विकास आयुक्त अपनी धर्मपत्नी के साथ बच्चों को मिठाई,केक तथा फल का वितरण किया। नए वर्ष के प्रथम दिन उप विकास आयुक्त ने उपस्थित सभी बच्चों और संस्था के कर्मियों को नववर्ष की शुभकामनायें दी। सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्था के द्वारा हुरहुरु, हजारीबाग में इस संस्था का संचालन किया जाता है, साथ ही समाज कल्याण विभाग के द्वारा इनके संचालन के लिए वित्तीय सहयोग भी दिया जाता है। आज सभी बच्चे उपहार मिलने से काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद उपस्थित थे।

कौलेश्वरी मंदिर के परिसर में लगा स्वास्थ्य शिविर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

चतरा : नववर्ष को मद्देनजर रखते हुए कौलेश्वरी मंदिर के परिसर में बुधवार सुबह से शाम 4 बजे तक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां कौलेश्वरी की पूजा अर्चना करने के बाद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया । इस संबंध में कौलेश्वरी मंदिर विकास समिति सदस्य कुरकुर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर नववर्ष को मद्देनजर रखते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है विश्व विख्यात मां कौलेश्वरी के दर्शन के लिए बहुत दूर - दूर से सैलानी आते है वही सुरक्षा का भी पुख़्ता इंतजाम किया गया है यदि कोई श्रद्धालु को किसी प्रकार से दुर्घटना घटती है तो तुरंत प्राथमिक इलाज किया जाएगा वही यहां एम्बुलेंस भी उपलब्ध है।वही स्वास्थ्य विभाग टीम सहायक इरफान गनी ने बताया लोग आकर स्वास्थ्य का लाभ उठा रहे हैं सारे दवाईयां भी निःशुल्क दिया जा रहा है।मौके पर एनम ममता कुमारी, संचिता कुमारी, दानिश सह सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पत्रकार जुलकर नयन के 98 वर्षीय पिता हाजी मौलाना अब्दुल हादी हुए सुपुर्द-ए-खाक

चतरा। दैनिक जागरण चतरा जिला ब्यूरो जुलकर नयन के पिता ,98 वर्षीय हाजी मौलाना अब्दुल हादी 31 दिसंबर को मौत हो गई। मृतक के तीन बेटे मोहम्मद हाशिम, मोहम्मद मौलाना जुल्फिकार, पत्रकार जुलकर नयन और एक बेटी हैं। मौत की खबर सुनकर चतरा के एलजेपी विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी, जिला परिषद सदस्य चंद्रदेव गोप, जदयू जिलाध्यक्ष रामाशीष कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बद्रीप्रसाद वर्मा, अशोक दांगी, सुजीत जयसवाल समेत जिले से मुख्यालय के पत्रकारों समेत सैकड़ों गणमान्य लोग मृतक को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंचे।मौके पर लोगों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और मृतक की आत्मा की शांति की कामना की। ज्ञात हो की हाजी मौलाना अब्दुल हादी ने जीवन भर मस्जिद रशीदिया में इमामत के साथ अध्यापन का कार्य किया, उनके सादगीपूर्ण जीवन से हर कोई प्रभावित था। विवाद रहित आचरण उनके जीवन का नियम था। उनके हजारों शिष्य देश के विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा कर रहे हैं। उनकी प्रार्थना में भाग लेने के लिए झारखंड के दर्जनों जिलों से लोग पहुंचे थे। मृतक के बेटे मौलाना जुल्फिकार ने जामिया रशीदुल उलूम में दोपहर दो बजे नमाज जोहर के बाद नमाज जनाजा पढ़ी और हजारों नम आंखों के साथ रशीदिया मस्जिद के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया।

बिरहोर आवास की ढलाई में बरती जा रही है अनियमितता, जेई को जांच करने का निर्देश

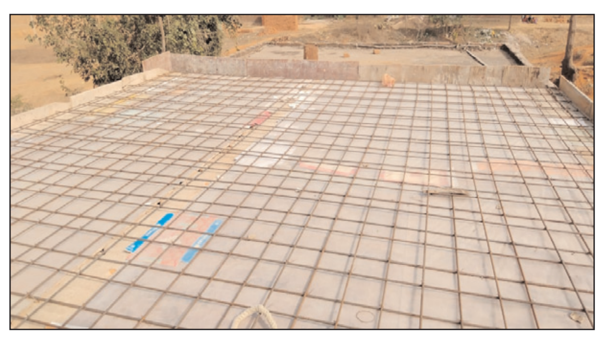

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

चतरा। गिद्धौर प्रखंड के जपुआ में निवास करने वाले आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों की आवास की ढलाई किया जा रहा है। परंतु आवास की ढलाई में काफी अनियमितता बरती जा रही है। बताया जाता है कि चार क्विंटल छड़ की जगह मात्र डेढ़ से दो क्विंटल ढलाई में छड़ लगाया जा रहा है। वैसे में छत की मजबूती पर सवाल उठाए जा रहे हैं।इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव ने बिरहोर परिवारों का बन रहा आवास योजना का जाँच करने के लिए 15वे वित विभाग के जेई भवानी प्रसाद को जाँच करने का निर्देश दिया है।बताया जाता है की जपुआ मे 7 बिरहोर परिवार को आवास मुहैया करवाई गई है। आवास निर्माण मे लाभुक का खाता मे पैसा जाता है, लेकिन आवास निर्माण का कार्य करने का जिम्मेवारी किसी व्यक्ति को दे दिया गया है, जिसके कारण आवास निर्माण की गुणवता मे कमी किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना मे पुत्र की मौत पिता घायल

चतरा। इटखोरी थाना क्षेत्र के मुख्य चौक पर मंगलवार की देर शाम मे बामंडीह गाँव निवासी 50 वर्षीय प्रमोद कुमार एंव उनके पुत्र कवीस कुमार ट्रेलर की चपेट में आने से पुत्र की मौत हो गयी जबकि पिता घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार पिता पुत्र बुलेट बाइक से जा रहे थे इसी बिच इटखोरी चौक पर भिड़ भाड़ में अनियंत्रित होकर ट्रेलर के अंदर बुलेट घुस गया।इस संबध मे इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौप दिया गया है।विधिवत कार्रवाई किया जा रहा हैं।इस संबध मे भाजपा नेता मृत्युंजय सिंह ने कहा की इटखोरी मुख्य चौक पर भारी वाहनों का आवगमन पर रोक लगाना चाहिए क्योंकि बड़े वाहन टॉल टेक्स बचाने के लिए इटखोरी होकर आता है जिसके कारण सड़क दुर्घटना बढ़ गयी हैं।

कृषि निदेशक का माधोपुर केज साइट का दौरा, मत्स्य पालन में नवाचार की ओर एक महत्वपूर्ण पहल

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला ब्यूरो।

हजारीबाग। आज कृषि निदेशक श्री ताराचंद द्वारा माधोपुर केज साइट का दौरा किया गया। इस दौरान केज कल्चर तकनीक से हो रहे मछली पालन की प्रगति का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित मत्स्य मित्र के साथ इस तकनीक के माध्यम से क्षेत्र में संभावित विकास एवं किसानों की आयवृद्धि पर चर्चा की। माधोपुर केज साइट जिले में मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण है। कृषि निदेशक के नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह पहल क्षेत्र के किसानों को सशक्त बनाने और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सहायक होगी। इस दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी श्री प्रदीप कुमार एवं मत्स्य मित्र उपस्थित थे।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान

क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है।पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़े हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी

वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।

चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चमच से मिश्रण को तवे पर गोल-गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है।

बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि

विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे।

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में ‘श्रीकृष्ण पाथेय’ परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। ‘श्रीकृष्ण पाथेय’ के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है। पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा।

कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। धन लाभ होने के योग बने हुये हैं। नए कार्यों की शुरूआत कर सकते हैं। दोस्तों से लाभ मिल सकता है। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। वाद-विवाद से दूर रहें। वाणी पर संयम रखें। परिवारजनों के साथ किसी समारोह में जाने की संभावना बन रही है। खरीददारी में अधिक खर्च हो सकता है। कार्य क्षेत्र मे सफलता मिलेगी। परिवार के साथ भी तालमेल अच्छा बना रहेगा।

वृषभ राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा। बेरोजगार लोगों को आज रोजगार मिलने की संभावना है। पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। मित्रों के पीछे धन खर्च हो सकता है। अपने गुस्से पर काबू रखें। खुद पर विश्वास रखना बेहद जरूरी है। जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर घूमने जाने का योग बन सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय व्यातीत होगा। मन में नकारात्मक विचार न आने दें।

मिथुन राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ होने की संभावनाएं हैं। मन में नए विचार आएंगे। किसी अच्छी कंपनी से नौकरी का ऑफर मिल सकता है। परिवार में भी मतभेद रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ? से चिंता से घिरे रहेंगे और शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। कुछ नये लोगों से संबंध बनेंगे।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च से तनाव बढ़ेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। अधिकतर समय गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा में लगाने से खुशी मिलेगी। कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में मददगार होंगे।

सिंह राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। धन लाभ के योग बनेंगे और भाग्य प्रबल रहेगा। आय में वृद्धि होगी। कार्यो में सफलता मिलेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। छोटे प्रवास पर जा सकते हैं। विदेश से अच्छी खबर मिल सकती है। संतानों की ओर से भी लाभ मिलेगा। परिवारजनों तथा मित्रों के साथ आनंदपूर्वक पलों को मनाएंगे। अपनी पसंद के कार्य कर सकेंगे।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यवसाय में बढ़ोतरी की संभावनाएं हैं। ऑफिस या व्यावसायिक स्थल पर कार्य भार अधिक रहेगा। गृहस्थ जीवन में मधुरता छाई रहेगी। विदेश जाने के अवसर मिलेंगे। किसी बड़ी कंपनी से डील हो सकती है। खेल-कूद में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी परिचित व्यक्ति से लम्बे समय बाद मिलने की सम्भावना रहेगी। अपनी योग्यता से अपनी हर मुश्किल को आसान कर लेंगे।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। माता-पिता और बुजुर्गों के आशीर्वाद से सारे काम आसानी से हो जाएंगे। शारीरिक रूप से नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा। आज आप नए काम शुरू कर सकते हैं। रहन-सहन में असहज महसूस करेंगे। विदेश से अच्छी खबर मिल सकती है। खुद पर संयम रखें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वस्त्र-आभूषणों के प्रति रुझान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्य क्षेत्र में बाधाएं आ सकती हैं। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। दांपत्य जीवन के सुख अनुभव कर सकेंगे। घर के किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। घूमने जा सकते हैं। योग और ध्यान से मानसिक शांति प्राप्त कर सकेंगे। नए लोगों से परिचय हो सकता है। दफ्तर में बचा हुआ कार्य पूरा होने की वजह से मन का बोझ हल्का होगा। किसी नए प्रोजेक्ट की शुरूआत कर सकते है।

धनु राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कठिन परिश्रम से अपने कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने के योग रहेंगे। कारोबारी व्यापार में वृद्धि कर सकेंगे। ऑफिस में सहयोग मिलेगा। परिवारजनों और मित्रों से लाभ प्राप्त होगा। सामाजिक रूप से सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन आनंददायी रहेगा। परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों का भी शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा मन लगेगा।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। ऑफिस में काम की अधिकता रहेगी। मन में अशांति रहेगी। वाणी में मधुरता से नए संबंध बनेंगे। खर्चो की अधिकता से परेशान रहेंगे। किसी पुरानी बात को लेकर तनाव में रहेंगे। कार्यों में किसी मित्र का सहारा ले सकते हैं। अपनों का साथ सही दिशा में ले जाएगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगेगा।

कुम्भ राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति के योग हैं। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में भी खुशियों का माहौल बना रहेगा। प्रिय मित्र से मिलने का योग बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें। मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। नए स्रोतों से धन की प्राप्ति हो सकती है। वाणी पर संयम और गुस्से पर नियंत्रण रखें। बुजुर्गों की सेवा करना शुभ फल देगा।

मीन राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे और धनलाभ की स्थिति रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में परेशानियां होगी। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पिता से लाभ मिल सकता है। गुस्से पर काबू रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। गृहस्थ जीवन में मधुरता रहेगी। ऑफिस या व्यावसायिक स्थल पर कार्य भार अधिक रहेगा। धन अधिक खर्च होगा। संतान सुख में वृद्धि होगी।

मास्क की वापसी

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर कुछ पाबंदियों की वापसी करा दी है। जब लोग पाबंदियों से निकलकर सामान्य जीवन जीने लगे हैं, तब संक्रमण ने फिर अपना आतंक प्रदर्शित कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में मास्क की न केवल वापसी हो गई है, बल्कि मास्क न पहनने वालों को 500 रुपये जुमार्ना भी देना पड़ेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में बुधवार को यह कड़ा फैसला लेते हुए मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। एक चर्चा तो स्कूलों को लेकर भी थी कि क्या संक्रमण पर अंकुश के लिए स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया जाए। बमुश्किल घरों से निकले बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावकों को चिंता हो रही है, क्योंकि किसी-किसी दिन बच्चों में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ स्कूलों को बंद भी करना पड़ा था। बहरहाल, फैसला हुआ है कि स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों को खोले रखना जरूरी ही नहीं, मजबूरी भी है। पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इसके अलावा, स्कूलों का प्रबंधन भी प्रभावित हुआ है, वर्तमान स्कूली ढांचे के तहत स्कूलों के लिए ऑफलाइन होना गंभीर अनिवार्यता है।

दिल्ली में आगामी दिनों में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉक्टर हालात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बैठक में यह भी चर्चा हुई है कि अभी कोरोना के मामले ऐसे नहीं हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़े। जो बच्चे संक्रमित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर का इलाज घर में ही चल रहा है। अतः स्कूल और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग अभी संक्रमण की रफ्तार जांचने के पक्ष में हैं। अगले 15 दिन अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने के अनुपात को समझा जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट में संक्रमित पाए जाने वाले सभी सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने का भी फैसला किया गया है। जांच भी बढ़ाई जाएगी, पर इसके लिए लोगों को स्वयं आगे आना होगा। चिकित्सा महकमे को देखना होगा कि जांच की सुविधाओं में कमी नहीं आनी चाहिए। कई बार लोग जांच की परेशानी से बचते हुए ही उपचार को तरजीह देते हैं। जबकि जांच और उसके परिणाम संक्रमण की प्रवृत्ति पर नजर रखने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने फैसला लिया है कि लक्षण वाले सभी लोगों की जांच कराई जाएगी, तो इसके लिए जगह-जगह सरकारी अस्पतालों में इंतजाम भी पूरे रखने होंगे। दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों पर भी नजर रखने का फैसला उपयोगी है, क्योंकि कोरोना से गुजर चुके लोग बड़ी संख्या में तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं।

फिर दिल्ली की बात करें, तो मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 632 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर अभी भी चिंता की वजह है। 11 से 18 अप्रैल के बीच दिल्ली में दैनिक मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई है, इसलिए दिल्ली को देश में कोरोना के नए केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। अतः कड़ाई समय की मांग है, ताकि लॉकडाउन के बाद पूरी रफ्तार पकड़ चुके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति हाथ से नहीं निकले। डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

दिल्ली चुनावों पर रेवड़ी कल्चर का खतरनाक साया

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी ‘रेवड़ी कल्चर’ का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। ‘फ्रीबीज’ या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

मुफ्त की सौगात राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने

वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी मुफ्त की संस्कृति की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक विकासशील राष्ट्र बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये? आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे।

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए।

बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई?

देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दशार्ते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45%, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता।

साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दशार्ना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बबार्दी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें?

मां को श्रद्धांजलि देते हुए सीएम हुए भावुक

कल्याणबिगहा में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन, बिहार के राज्यपाल भी हुए शामिल

नालंदा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपनी माता परमेश्वरी देवी की 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कल्याणबिगहा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान भी पहली बार मुख्यमंत्री के पैतृक गांव पहुंचे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पुत्र निशांत और बड़े भाई सतीश कुमार के साथ स्वर्गीय राम लखन सिंह वाटिका पहुंचे, जहां उन्होंने माता परमेश्वरी देवी के स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गहरे श्रद्धा भाव से अपनी मां की यादों को संजोया। निशांत ने भी अपनी दादी के स्मृति

चिन्ह पर पुष्प अर्पित किए। साथ ही स्वर्गीय राम लखन सिंह और मंजू सिंह के स्मृति चिन्ह पर भी श्रद्धा सुमन चढ़ाए गए। राज्यपाल मो. आरिफ खान ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।माता परमेश्वरी देवी अमर रहे का लगाया नारा कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि मुख्यमंत्री ने वाटिका से बाहर निकलते ही उपस्थित जनसमूह से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान जनता ने माता परमेश्वरी देवी अमर रहे के नारे लगाए। इसके बाद मुख्यमंत्री राज्यपाल के साथ अपने पैतृक आवास गए, जहां कुछ समय बिताने के बाद सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष मो. अरशद, बिहारशरीफ अध्यक्ष गुलरेज अंसारी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पुण्यतिथि के अवसर पर निर्गुण का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकताओं और ग्रामीणों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

नालंदा के प्रभारी मंत्री विजय चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख कार्यकताओं में डा. धनंजय कु देव, महमूद बख्खो, रंजीत कुमार, पूर्व अध्यक्ष बनारस प्र. सिन्हा, देवन प्रसाद, अतिपिछड़ा अध्यक्ष अजय चंद्रवंशी, विकास कुमार, रोहित कुमार, विजय कुमार सिंह, हरनौत अध्यक्ष रविकांत कुमार, धीरज पटेल, राहुल रंजन कुशवाहा, राकेश पटेल, जनार्दन पंडित, डा. वसुंधरा कुमारी, जयप्रकाश, कुमार मंगलम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंत्री रत्नेश सदा को ऑटो ने मारी टक्कर, घायल

सहरसा। में बुधवार को मद्य निषेध एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सादा सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। घायल हालत में उनको सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना महिषी थाना क्षेत्र के बलिया सिमर गांव के पास की है। दरअसल नए साल को लेकर वे अपने गांव पहुंचे थे। सुबह में मॉर्निंग वॉक करने के दौरान तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दिया। इससे वे और उनका एक गार्ड घायल हो गए।सदर अस्पताल में तीन घंटे इलाज चलने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं घटना को लेकर मंत्री रत्नेश सादा ने कहा कि हल्की चोट लगी है। वहीं सिविल सर्जन डॉ कत्यानी मिश्रा ने कहा कि एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि मामूली इंजरी है। प्राथमिक उपचार के बाद उनको घर भेज दिया गया। वहीं इलाज कर रहे डॉ वरुण कुमार ने कहा कि पैर और सिर में चोट लगी थी।स्थिति नॉर्मल होने के बाद घर भेज दिया गया।

काम पर जा रहा हूं, 7 दिनों बाद आई लाश

दरभंगा। 30 साल का शगीर 26 दिसंबर को दरभंगा से चेन्नई के लिए निकला था। 28 को शगीर ने पिता को फोन कर कहा कि मैं अच्छे से पहुंच गया हूं और काम पर जा रहा हूं। पिता का कहना है कि आखिर बार बातचीत के बेटे से ठीक से बात हुई थी। वो घर परिवार से दूरी को लेकर थोड़ा दुखी थी, लेकिन काम पर जाने को लेकर खुश भी दिख रहा था। लेकिन मुझे क्या पता कि कुछ घंटे बाद ही उसकी मौत की खबर आ जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले मंगलवार को मेरा बेटा काम पर चेन्नई गया था और एक हफ्ते बाद इस मंगलवार की शाम को उसकी लाश आई। मृतक शगीर सिमरी थाना क्षेत्र के मनिहारी पंचायत के वार्ड पांच

का रहने वाला था। शगीर अपने छोटे भाई के साथ चेन्नई में एक कंपनी में ट्रक मैकेनिक था। छोटे भाई ने ही फोन कर पिता को घटना की सूचना दी।शगीर के पिता ने बताया कि गुरुवार यानी 28 दिसंबर की सुबह करीब 8 बजे बेटे से बात हुई। करीब चार घंटे बाद 12 बजे काम के दौरान हादसा हो गया और एक घंटे बाद यानी 1 बजे मुझे छोटे बेटे ने फोन कर घटना की जानकारी दी गई। बताया गया कि शगीर ट्रक का टायर बदल रहा था, इसी दौरान जैक फिसलने से ट्रक शगीर के ऊपर गिर गया। ट्रक के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। शगीर के घर मौजूद जलवार पंचायत पूर्व वार्ड सदस्य मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बताया कि घटना के बाद जेसीबी बुलाई गई और करीब 20 मिनट बाद ट्रक के नीचे से शगीर की लाश निकाली गई। हादसे की सूचना के बाद शगीर के परिजन चेन्नई पहुंचे और एंबुलेंस के जरिए चार दिन बाद बेटे की लाश लेकर गांव आए। मोहम्मद शाहबुद्दीन ने बताया कि शगीर 5 भाइयों में से तीसरे नंबर का था। वो करीब 10 सालों से चेन्नई में एक कंपनी में ट्रक की मरम्मत का काम करता था। हालांकि, 2020 के लॉकडाउन के दौरान वो गांव आ गया था। इसके बाद सोभन में नेशनल हाइवे-27 के किनारे पंचर की दुकान खोली थी। जब दुकान नहीं चली, तो गांव में ही किसी का ऑटो लिया और उसे चलाने लगा। इससे भी कमाई नहीं हुई, तो चेन्नई लौटने का फैसला किया।

सरस्वती पूजा के लिए मूर्ति बुकिंग में आई गिरावट

बहन का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे, 80 से ज्यादा थी गाड़ी की स्पीड

समस्तीपुर। आगामी 2 फरवरी को वाली सरस्वती पूजा के लिए समस्तीपुर जिले में कुम्हार प्रजापति समाज के लोग मूर्तियों के निर्माण में जुटे हुए हैं, लेकिन इस बार बुकिंग में पहले जैसी रौनक नहीं दिखाई दे रही है। मूर्तिकार अब तक अर्ध निर्मित मूर्तियों को तैयार करने में लगे हैं, ताकि जब ग्राहक आएं तो वे इन मूर्तियों को देख सकें और बुकिंग करवा सकें। हालांकि, अभी तक कोई खास ग्राहक नहीं आया है। मूर्तिकार पप्पू पंडित, जो पिछले 20 सालों से मूर्तियों का निर्माण कर रहे हैं, बताते हैं कि पहले सरस्वती पूजा को लेकर लोग तीन-चार महीने पहले से ही मूर्तियों की बुकिंग करा लेते थे, लेकिन इस वर्ष अब तक बुकिंग की कोई शुरूआत नहीं हुई है। पप्पू पंडित का कहना है कि वह मूर्तियों को तैयार करने के बावजूद ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं।स्नातक छात्र अनीश कुमार ने कहा कि वह पूजा के मौके पर मूर्तियों की बुकिंग में मदद करने के लिए घर आए थे, लेकिन अब इस धंधे में घाटा हो रहा है। अनीश ने यह भी बताया कि वह अब सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं और इस धंधे में अपना भविष्य नहीं देखते। मूर्तिकारों के अनुसार, 2 से 3 फीट की मूर्ति बनाने में लगभग 500 रुपए का खर्च आता है, जबकि मूर्ति की बिक्री 700 से 800 रुपए तक होती है। एक मूर्ति तैयार करने में 15 से 20 दिन लग जाते हैं, लेकिन आमदनी केवल 200 से 300 रुपए तक होती है, जिससे उनका आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है।समस्तीपुर जिले में कुम्हार प्रजापति समाज की तीन लाख से अधिक आबादी है, जो ज्यादातर मूर्ति कला के रोजगार से जुड़ी हुई है।

लेकिन बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई है। बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत कुम्हार समाज को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि अन्य राज्य जैसे बंगाल और उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड का गठन किया गया है, जिससे वहां के कुम्हारों को लाभ मिल रहा है।

बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पंडित ने बताया कि अगर इस समाज को बिहार लघु उद्यमी योजना में शामिल किया जाता, तो कुम्हार प्रजापति समाज के लोगों को बहुत फायदा होता।

इस बीच, कुम्हार प्रजापति समाज के लोग सरकार से मदद की उम्मीद लगाए हुए हैं।

फोटो फ्रेमिंग, किताब की दुकान में लगी आग

2 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, 6 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख

औरंगाबाद। में सदर अस्पताल के पास विश्वनाथ बुक वाइंडिंग एवं फोटो फ्रेमिंग सेंटर में बुधवार सुबह आग लग गई। आसपास के लोगों ने दुकान मालिक विश्वनाथ कुमार सिंह को इस बात की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही विश्वनाथ कुमार सिंह अपने अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी अग्निशमन पदाधिकारी को दिया।

सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।दुकान संचालक विकास कुमार ने बताया कि हमारे दुकान में सभी तरह का फोटो फ्रेम बनता था और जमीन की नक्शा खतियान एवं किताब की जिल्द मढाई होता था। हम लोग जब सोए हुए थे तो आसपास के लोगों ने जानकारी दिया कि आपके दुकान में आग लग गई है। घटना में दुकान में रखे फर्नीचर, इनवर्टर, फोटो फ्रेम, कई सरकारी दस्तावेज समेत अन्य जलकर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना में करीब 6 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख हो गया है। आग लगने की घटना के कारणों के बारे में फिलहाल स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है।

पीड़ित दुकानदार ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

रिश्तेदार बनकर आई महिला ने घर में की चोरी

बक्सर। के राजपुर थाना क्षेत्र के मंगराव गांव में रिश्तेदार बनकर आई एक महिला ने विश्वासघात करते हुए लाखों की चोरी कर ली। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर महिला को यूपी से गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद पुलिस आगे की करवाई में जुटी हुई है। राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घटना 26 दिसंबर की है। वह कैमूर के नुआंव थाना क्षेत्र के गारा गांव निवासी मंजू देवी उर्फ बताशा, मंगराव गांव निवासी ललन पांडेय के घर पहुंची थी। इसके बाद 27 दिसंबर की सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर गए तो उसने घटना को अंजाम दे दिया। इस दौरान उसने घर में मौजूद एक महिला को बेहोश कर दिया था। कुछ घंटे बाद महिला के पति ललन पांडेय घर आए तो घटना की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। राजपुर थाने की पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी महिला को उत्तर प्रदेश के रामनगर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद महिला को जेल भेजने की करवाई में जुटी हुई है।

एटीएम कार्ड बदलने वाला शातिर गिरफ्तार

पूर्णिया। पुलिस ने एटीएम कार्ड की फेरबदल कर अवैध निकासी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। शातिर एटीएम बदल कर बैंक के खाते से फर्जी तरीके से राशि की निकासी करते थे। पुलिस ने इस गिरोह के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जालसाज के पास से पुलिस ने 9 एटीएम कार्ड और कैश भी बरामद किया है। मामला बनमनखी थाना से जुड़ा है। बनमनखी एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया है कि पिछले 2 महीने में बनमनखी और जानकीनगर थाना में एक शातिर गिरोह कुछ लोगों का एटीएम बदलकर रुपए की निकासी कर रहा था। मामला सामने आने के बाद एसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था। सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर जानकीनगर थाना के लादुगढ वार्ड-9 से बब्बल ऋषि को पुलिस ने पकड़ा। तलाशी के क्रम में उसके पास से 9 एटीएम कार्ड, 2150 रुपए कैश, एक मोबाइल और एक पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार किया। गिरोह के शातिर बदमाश ने बताया कि जिन्हें एटीएम का इस्तेमाल करना नहीं आता था। जब भी कोई एटीएम कार्ड लेकर एटीएम पहुंचता और उनसे मदद मांगता वे अपनी बातों में उलझाकर एटीएम बदल देते थे और फिर बाद में उस एटीएम से रुपए की निकासी करते थे।

नालंदा में खाजा दुकानदार की हत्या

नालंदा। के तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम खाजा दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जहानाबाद जिला के ओखरी थाना क्षेत्र के पिरोजा गांव निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है। मृतक रंजीत कुमार का अपने भाइयों से जमीन विवाद चल रहा था। इसी विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। रंजीत कुमार जब अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने केला विगहा पेट्रोल पंप के पास उन पर गोलियां बरसा दीं। गंभीर रूप से घायल रंजीत कुमार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दम तोड़ दिया।मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक के भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी भारत सोनी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बहन से छेड़खानी, भाई की पिटाई

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार शाम घर के पास खेत में शौच करने गई एक युवती से छेड़खानी की गई। इस दौरान युवती ने जब विरोध किया गया तो उसके साथ मारपीट की गई।शोर पर जब युवती का भाई पहुंचा तो मनचलों ने उसकी भी पिटाई कर दी। हल्ला होने पर जब ग्रामीणों की भीड़ जुटी तो मनचले वहां से फरार हो गए। जख्मी भाई-बहन को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है उधर घटना की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में छूट गई है।बताया जाता है कि चार-पांच युवकों ने मिलकर छेड़खानी की है। वे लोग उसके साथ गलत करने की कोशिश कर रहे थे। पीड़िता ने शोर मचाया तो भाई आ गया। जिसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर जुटे। लोगों को देखकर बदमाश फरार हो गए। बाद में जख्मी भाई बहन को उपचार के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी सदर डीएसपी 2 विजय महतो ने कहा कि शौच करने गई युवती से छेड़खानी का मामला सामने आया है। छेड़खानी का जब विरोध किया गया है तो मारपीट की बात बताई जा रही है।

सड़क हादसे में पैक्स प्रबंधक की मौत

औरंगाबाद। भदवा पथ के रफीगंज थाना क्षेत्र के माड़ीपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया। जहां घायल के इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के सिहुली पंचायत के नईकी गांव निवासी डॉ. उदय यादव के 25 वर्षीय बेटे राहुल कुमार के रूप में की गई है। मृतक गोरडिहा पंचायत के पैक्स प्रबंधक थे और करीब 2 साल से वह पैक्स प्रबंधक का कार्य कर रहे थे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि औरंगाबाद से किसी कार्य को लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ।मृतक राहुल कुमार की 3 साल पहले सोनाली कुमारी के साथ शादी हुई थी। एक बेटी है जो 14 माह की है। राहुल एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे छात्र राजनीति में राजद पार्टी में सक्रिय रहे हैं। मां-पिता के इकलौते बेटे थे। घटना परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के पिता डॉक्टर उदय यादव एक निजी क्लीनिक चलाते हैं।

घटना की जानकारी छात्र राजद नेता सोनू यादव ने दी।

20 फीट नीचे नहर में गिरी बाइक,3 भाइयों की मौत

बहन का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे, 80 से ज्यादा थी गाड़ी की स्पीड

सासाराम। में नए साल में सड़क हादसे में 3 भाइयों की मौत हो गई। तीनों देर रात करीब 2 बजे नटवार गांव से बहन का जन्मदिन मनाकर अपने गांव गुनसेज लौट रहे थे। इस बीच बाइक 20 फीट नीचे नहर में गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि गाड़ी की स्पीड 80 से ज्यादा रही होगी। बुधवार की सुबह बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे युवक जब दौड़ने निकले तो उन्होंने नहर में पड़ी बाइक और युवकों को देखा। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। घटना के बाद सूर्यपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया

है। मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार (25) पिता मुद्रिका सिंह, अंकित कुमार (22) पिता संजय सिंह और शशिरंजन उर्फ मनु कुमार (23) पिता रामेश्वर सिंह के रूप में की गई है। तीनों रिश्ते में भाई थे। चाचा ने बताया कि 'तीनों आपस में भाई थे। एक ही गोतिया के थे। मंगलवार को शशिरंजन अपनी छोटी बहन अनु कुमारी का जन्मदिन मनाने के लिए नटवार गांव गया था। उसके साथ प्रियांशु कुमार और अंकित कुमार भी एक ही बाइक पर गए थे। तीनों साथ में पढाई करते थे और साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रहे थे। इसके अलावा प्रियांशु खनिता बाजार में मोबाइल शॉप भी चलाता था।' सूर्यपुरा थाना अध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया 'घटना बक्सर लाइन नहर के हदहदवा पुल की है। पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। इसके बाद मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।'

खबर संक्षेप

व्हाट्सएप पे अब कर पाएगा यूपीआई सेवाओं की पेशकश

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने तीसरे पक्ष के ऐप प्रदाता 'व्हाट्सएप पे' को यूपीआई उपयोगकर्ता जोड़ने पर लगाई गई सीमा तत्काल प्रभाव से हटा दी है। एनपीसीआई ने एक बयान में कहा कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी उपयोगकर्ताओं तक यूपीआई सेवाओं का विस्तार कर सकता है।
इससे पहले, एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई उपयोगकर्ता आधार का विस्तार करने की अनुमति दी थी।

वारी रिन्यूएबल को सौर परियोजना का मिला ठेका

नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) ने जिंदल रिन्यूएबल्स की विशेष इकाई (एसपीवी) सनब्रीज रिन्यूएबल्स नाइन प्राइवेट लिमिटेड से दो गीगावाट सौर परियोजना का अब तक का सबसे बड़ा ठेका मिलने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में क्रियान्वित की जाएगी जिसमें ऊर्जा दक्षता बढ़ाने तथा उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों व टिकाऊ समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा।

थॉमस कुक के आईटी ढांचे पर साइबर हमला

नई दिल्ली। यात्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने

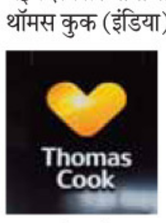

मंगलवार को कहा कि उसके सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचे पर साइबर हमला हुआ है और वह इसकी जांच तथा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ काम कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया 'हमारे आईटी बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले से संबंधित एक घटना हुई है।'

आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण 4% तक बढ़ा

नई दिल्ली। पुणे, मुंबई महानगर क्षेत्र, बेंगलुरु, हैदराबाद और नोएडा सहित आठ शहरों में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण इस साल चार प्रतिशत बढ़कर 5.77 लाख

इकाई रहा। रियल एस्टेट सलाहकार स्क्वायर याड्र्स ने बयान में कहा, ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में प्राथमिक और द्वितीयक बाजारों में 2024 में 5.77 लाख आवासीय लेनदेन दर्ज किए गए, जो 2023 की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है। सलाहकार ने सरकार के पंजीकरण आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि इन लेनदेन का कुल मूल्य 2023 की तुलना में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

दिसंबर में चीन की विनिर्माण गतिविधियां रहीं धीमी

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियां हाल ही में किए गए प्रोत्साहन उपायों तथा बढ़ते व्यापार जोखिमों के बीच दिसंबर में धीमी गति से बढ़ीं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर में घटकर 50.1 पर आ गया। नवंबर में यह 50.3 पर था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन दर्शाता है। यह लगातार तीसरा महीने 50 से ऊपर है जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है।

होंडा, निसान के विलय से प्रतिस्पर्धा बढ़ने, बेहतर उत्पादों की उम्मीद

नई दिल्ली

दिग्गज वाहन विनिर्माताओं होंडा और निसान की विलय योजना का वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ने की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार में भी इलेक्ट्रॉनिक वाहन खंड में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है। यह भविष्य में बेहतर उत्पादों के रूप में वाहन खरीदारों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वाहन उद्योग के जानकारों का मानना है कि दोनों जापानी कंपनियों का आने वाले समय में इलेक्ट्रॉनिक वाहन (ईवी) खंड पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है।

इसकी वजह यह है कि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते वाहन बाजारों में से एक भारत में ये दोनों कंपनियां मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। हालांकि होंडा भारतीय बाजार में 1990 के दशक से ही मौजूद है जबकि निसान को भी यहां कदम रखे हुए करीब 20 साल हो चुके हैं।

विलय योजना का वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ने की संभावना

विलय का बाजार पर पड़ सकता है गहरा असर

तेजी से बढ़ते इस खंड में दोनों कंपनियों की साझेदारी भारत समेत तमाम वाहन बाजारों पर गहरा असर डाल सकती है। होंडा और निसान के शीर्ष अधिकारियों ने बीते हफ्ते विलय योजना से संबंधित समझौता ज्ञापन की घोषणा की तो इसे भारतीय वाहन बाजार में भी काफी उत्सुकता से देखा गया।

भारतीय बाजार में दोनों के सीमित उत्पाद

इतने लंबे समय से मौजूद रहने के बावजूद ये कंपनियां भारतीय बाजार में अपनी पैठ मजबूत कर पाने में खास कामयाब नहीं हो पाई हैं। दोनों कंपनियों के पोर्टफोलियो में भारतीय बाजार में बहुत सीमित उत्पाद हैं। होंडा के पास सिटी, अमेज, एलिवेट और होंडा हाइब्रिड जैसे मॉडल हैं तो निसान मैग्नाइट और एक्स-ट्रेल मॉडलों के दम पर अपना वजूद बनाए हुए है। इन कंपनियों को भारत में पहले से स्थापित कंपनियों से तगड़ी चुनौती मिल रही है। ऐसे में इनकी बिक्री घटती जा रही है और बाजार हिस्सेदारी भी बहुत सीमित हो चुकी है।

होंडा की हिस्सेदारी दो फीसदी से भी कम

हालत यह है कि करीब 40 लाख वाहनों की सालाना बिक्री वाले भारतीय यात्री वाहन बाजार में होंडा की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है जबकि निसान के मामले में यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम रह गया है। मौजूद दौर में तेजी से बढ़ रहे ईवी खंड में भी इनकी हिस्सेदारी नगण्य है। इस विलय योजना और भारतीय बाजार पर इसके असर को लेकर होंडा कार्स इंडिया और निसान मोटर इंडिया दोनों ने ही कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन वाहन उद्योग के जानकारों का मानना है कि निसान मोटर्स को ईवी खंड में हासिल महारत इस गठजोड़ के लिए पासा पलटने में मददगार हो सकती है।

वर्ष के दौरान बीएसई का सेंसेक्स आठ फीसदी चढ़ा

शेयर बाजारों में 2024 में बढ़िया मुनाफा निवेशकों की संपत्ति 77.66 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली

शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति 2024 में 77.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स आठ प्रतिशत से अधिक चढ़ा। विश्लेषकों ने कहा कि इस वर्ष में उतार-चढ़ाव के साथ तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच रस्साकशी देखी गई।

- वर्ष में तेजड़ियों व मंदड़ियों में रस्साकशी देखी गई

दुनिया भर में अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजारों ने बेहतरीन मुनाफा दिया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वर्ष 2024 बाजारों के लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन फायदेमंद रहा। जनवरी से सितंबर तक निफ्टी लगातार चढ़ता रहा और 26,277.35 के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

खास बातें

- अनिश्चितता के बीच भारतीय बाजारों ने बेहतर रिटर्न दिया
- जनवरी से सितंबर तक निफ्टी लगातार चढ़ता रहा

सेंसेक्स 8.16 फीसदी उछला

इस साल 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5,898.75 अंक यानी 8.16 फीसदी उछला। सेंसेक्स 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 2024 में 77,66,260.19 करोड़ रुपये बढ़कर 4,41,95,106.44 करोड़ रुपये हो गया।

बीएसई में पूंजीकरण 400 लाख करोड़ पहुंचा

इस साल आठ अप्रैल को पहली बार बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पीएल कैपिटल - प्रभुदास लीलाधर के निदेशक (शोध, संस्थागत इक्विटी) अमनीश अग्रवाल ने कहा, साल की शुरुआत में मुद्रास्फीति में कमी, ब्याज दरों में कटौती और भाजपा के फिर से जीत कर आने की उम्मीद में एक मजबूत तेजी देखी गई।

अगस्त में येन कैरी ट्रेड खत्म किया गया

ऐसे में सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। चुनाव परिणाम हालांकि भाजपा के पक्ष में थे, लेकिन पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। ऐसे में बाजार में एक संक्षिप्त गिरावट देखने को मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद अगस्त में 'येन कैरी ट्रेड' को खत्म कर दिया गया, जिसने अस्थिरता के एक और दौर को जन्म दिया।

साल के अंतिम दिन शेयर बाजारों में गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी लगातार जारी रहने और वैश्विक बाजारों के कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रहा। सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 109.12 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 पर बंद हुआ।

इन शेयरों में रहा नफा-नुकसान

मंगलवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा, जोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में गिरावट रही। दूसरी तरफ कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

1 जनवरी 2025 से टेक जगत में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली

1 जनवरी से टेक जगत में भी कई चीजें बदल रही हैं। नए वर्ष से व्हाट्सऐप, यूपीआई या अमेजन प्राइम विडियो आपके पुराने मोबाइल पर काम नहीं करेगा। व्हाट्सऐप 2025 में कुछ एंड्रायड स्मार्टफोन्स पर काम करना बंद कर देगा। 1 जनवरी, 2025 से किटकैट ओएस या पुराने वर्जन पर चलने वाले कई एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स पर नहीं चलेगा। व्हाट्सऐप अब डिवाइस को अपडेट, बग फिक्स या सिक्योरिटी पैच प्रदान नहीं करेगा। व्हाट्सऐप केवल एंड्रॉयड 5.0 और नए वाले एंड्रॉयड फोन और आईओएस 12 और नए वाले आईफोन पर काम करेगा।

- किसी का व्हाट्सऐप होगा बंद तो किसी का अमेजन प्राइम

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) नए साल से अब यूपीआई 123 पे के लिए प्रति ट्रांजेक्शन की लिमिट को 5,000 रुपए से बढ़कर 10,000 रुपए कर देगा। बता दें कि यूपीआई की ओर से फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई 123पे की सुविधा दी जाती है। इसके अतिरिक्त इस रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपए से बढ़ाकर 5,000 रुपए कर दी है।

अमेजन प्राइम अब 5 डिवाइस पर होगा लॉगइन

अमेजन भारत में अपने प्राइम विडियो यूजर्स के लिए नियमों में बदलाव कर रहा है। बता दें कि अभी तक अमेजन प्राइम विडियो के एक सब्सक्रिप्शन में 10 डिवाइस में अमेजन प्राइम विडियो का एक्सेस हो सकता था लेकिन अब केवल 5 ही डिवाइस में अमेजन प्राइम विडियो का एक्सेस हो पाएगा। इसके साथ अब एक अकाउंट से एक साथ सिर्फ दो टीवी पर प्राइम वीडियो स्ट्रीम किया जा सकेगा। यानी की अगर आप 10 डिवाइस से ज्यादा में अमेजन प्राइम विडियो का पासवर्ड डालेंगे तो वो बंद हो जाएगा।

पीपीएफ समेत सभी लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें स्थिर

नई दिल्ली

पीपीएफ और एनएससी सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें एक जनवरी, 2024 से शुरू चौथी तिमाही के लिए अपरिवर्तित रहेंगी। वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया, 'वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों से अपरिवर्तित रहेंगी।'

- ब्याज दरें एक जनवरी 2024 से शुरू चौथी तिमाही के लिए अपरिवर्तित रहेंगी

अधिसूचना के अनुसार सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। तीन साल की सावधि जमा पर दर तीसरी तिमाही में दी जा रही 7.1 प्रतिशत पर बनी रहेगी। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होंगे। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर जनवरी-मार्च 2025 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी।

पिछली बार कुछ योजनाओं में किया था बदलाव

सरकार ने पिछली बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए कुछ योजनाओं में बदलाव किया था। सरकार हर तिमाही में डाकघर और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को अधिसूचित करती है।

खुदरा विक्रेताओं की कम खरीदी से सोना 79,000 के स्तर से नीचे

कमजोर मांग से चांदी 2000 रुपए फिसली

नई दिल्ली

स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की कम खरीद के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 79,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे चली गई। बाजार सूत्रों ने यह जानकारी दी। कारोबारियों ने कहा कि प्रतिभागियों के सतर्क रुख से वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में सोने में गिरावट आई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपये घटकर 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। सोमवार को यह 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। पिछले एक साल में सोने की कीमतें 15,030 रुपये यानी 23.5 प्रतिशत बढ़कर 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंस मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''वर्ष 2024 में घरेलू सोने की कीमतों में 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई, जबकि हाजिर सोने में करीब 26 प्रतिशत की तेजी आई है।''

रुपया अब तक के निचले स्तर पर

मुंबई

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 13 पैसे की गिरावट के साथ अबतक के अपने सबसे निचले स्तर 85.65 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

- रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 85 .65 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी की भारी निकासी और वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत रुख से साल के दौरान इसमें तीन प्रतिशत की तीव्र गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्याज दरों में कटौती के बारे में फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत से डॉलर सूचकांक (डीएक्सवाई) तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.54 प्रति डॉलर पर खुला और दिन में कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 85.66 के निचले स्तर पर पहुंचा था। कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 85.65 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था।

घरेलू मुद्रा में डॉलर के मुकाबले तीन फीसदी की गिरावट

घरेलू मुद्रा में डॉलर के मुकाबले इस साल करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई है। रुपया 29 दिसंबर 2023 को 83.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था जो गिरकर 31 दिसंबर 2024 को 85.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। स्थानीय मुद्रा 10 अक्टूबर को 84 प्रति डॉलर और 19 दिसंबर को 85 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गई थी।

एनएसओ सर्वेक्षण संस्थाओं को सूचीबद्ध करेगा

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर नमूना (सैंपल) सर्वेक्षण करने के लिए सर्वेक्षण संस्थानों को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की सर्वेक्षण शाखा समूचे भारत में विविध क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करती है। प्राथमिक डेटा विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विषयों पर राष्ट्रव्यापी घरेलू/उद्यम सर्वेक्षणों के जरिये एकत्र किया जाता है। एनएसओ ने अपनी पहुंच और अपने सर्वेक्षणों का दायरा बढ़ाने के लिए निजी सर्वेक्षण संस्थानों या एजेंसियों को शामिल करने के लिए 12 दिसंबर 2024 को प्रस्ताव अनुरोध (आरएफपी) लेने शुरू कर दिए।

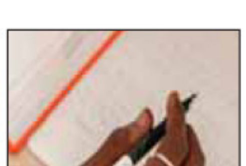

केंद्रीय बैंकों की खरीद से इसके भाव बढ़ेंगे

सोना 2025 में छू सकता है रिकॉर्ड 90,000 रुपए का स्तर

नई दिल्ली

सुरक्षित निवेश के रूप में सोने का भाव नये साल में भी रिकॉर्ड तोड़ता रहेगा और यह 85,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू बाजार में यह 90,000 रुपये के स्तर तक भी जा सकता है।

- वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से भी दाम बढ़ने की संभावना

मौद्रिक नीति में नरम रुख तथा केंद्रीय बैंकों की खरीद से भी इसके भाव बढ़ेंगे। हालांकि भू-राजनीतिक संकट कम होने पर रुपये में गिरावट थमेगी जिससे सोने की कीमत में भी नरमी आ सकती है। वर्तमान में हाजिर बाजार में सोने का भाव 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा है।

कीमतें रिकॉर्ड बनाते रहेगी

विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंक की खरीद और प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कमी की ओर रुख करने से 2025 में भी सोने की कीमत रिकॉर्ड बनाती रहेगी। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष अनुसंधान विश्लेषक (जिसं एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने बताया कि 2025 में सोने का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है।

30 अक्टूबर को सोना सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था

सोने की कीमत इस साल 30 अक्टूबर को 82,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। चांदी भी पीछे नहीं रही और यह एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना वायदा ने वर्ष की शुरुआत करीब 2,062 डॉलर प्रति औंस पर की और 31 अक्टूबर को 2,790 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की कीमतें गति बनाए रखने संघर्ष कर रही

हालांकि, कॉमट्रेंड्ज रिसर्च के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ज्ञानशेखर त्यागराजन ने कहा कि सोने की कीमतें गति बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

चांदी सवा लाख तक पहुंच सकती है

त्रिवेदी ने कहा, 'घरेलू स्तर पर सोने की कीमतें 85,000 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि सर्वोत्तम स्थिति में यह 90,000 रुपये तक पहुंच सकती है। यदि भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है या बढ़ता है तो चांदी की कीमतें मामूली बढ़त के साथ 1.1 लाख रुपये तक या यह 1.25 लाख रुपये तक भी पहुंच सकती हैं।'

कम ब्याज दर से सोने की कीमत बढ़ेगी

त्रिवेदी ने कहा कि ब्याज दर चक्र भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कम ब्याज दरों की ओर वैश्विक बदलाव से बाजारों में नगदी आएगी और अमेरिकी डॉलर कमजोर होगा, जिससे सोने की कीमतों को बढ़ावा मिलेगा।

रिलायंस ने पांच वर्षों में अधिग्रहण पर किए 13 अरब डॉलर खर्चः रिपोर्ट

नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले पांच वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, दूरसंचार, खुदरा और मीडिया कारोबार में किए गए अधिग्रहणों पर करीब 13 अरब डॉलर खर्च किए हैं। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज की इन अधिग्रहण योजनाओं के पीछे मकसद तेल और पेट्रोकेमिकल कारोबार से ध्यान को नवीकरणीय ऊर्जा और उपभोक्ता केंद्रित खंड पर देने का रहा है।

- मॉर्गन स्टेनले ने रिपोर्ट जारी कर दी जानकारी

पिछले हफ्ते भी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 375 करोड़ रुपये में कार्किनोस हेल्थकेयर खरीदा जो उसके डायग्नोस्टिक एवं डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल ढांचे में एक और हिस्सा है। अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'पिछले पांच वर्षों में आरआईएल ने 13 अरब डॉलर के अधिग्रहण की घोषणाएं की हैं। इनमें से 14 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, 48 प्रतिशत प्रौद्योगिकी, मीडिया एवं दूरसंचार (टीएमटी), नौ प्रतिशत खुदरा और इससे भी अधिक अधिग्रहण स्वास्थ्य सेवा में रहे हैं।' इसमें से छह अरब डॉलर मीडिया और शिक्षा व्यवसाय में कंपनियों और परिसंपत्तियों के अधिग्रहण में और 2.6 अरब डॉलर दूरसंचार और इंटरनेट खंड में लगाए गए। मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक, आरआईएल ने नवीकरणीय ऊर्जा में अधिग्रहण पर 1.7 अरब डॉलर और खुदरा क्षेत्र में 1.14 अरब डॉलर खर्च किए।

स्वास्थ्य देखभाल खंड में मौजूदगी बढ़ी

पिछले हफ्ते इसने कैंसर इलाज से जुड़ी कार्किनोस हेल्थकेयर में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। इससे नेटमेड्स और स्ट्रैंड लाइफ साइंस जैसे पिछले निवेशों के बाद डायग्नोस्टिक एवं स्वास्थ्य देखभाल खंड में इसकी मौजूदगी बढ़ गई।

अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती : धोनी

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने का कहना है कि उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती है। पहली बार अपने संन्यास को लेकर धोनी ने कोई बात कही है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि मुझे और समय मिलेगा पर अब नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि आप कुछ सोच समझ कर अपने फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपने फैसला ले लिया तो उसके बारे में सोचने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं भगवान की कृपा से अपने देश के लिए जो कुछ भी कर पाया उसये बहुत खुश हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने इस खेल से देश को गौरवान्वित करने की अपनी भूमिका निभा ली है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने सोचा था कि मुझे और समय मिलेगा पर यह थोड़ी निराशा की बात है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिला।

धोनी ने कहा कि संन्यास से लाभ भी हुआ है। अब मैं दोस्तों के साथ काफी समय बिता पाता हूं। मैं काफी अधिक मोटरसाइकिल सवारी कर सकता हूं। यह हालांकि लंबी यात्रा नहीं होती है। यह मुझे अच्छी लगती है। धोनी ने कहा कि यह अच्छा रहा, परिवार के साथ समय बिता पा रहा हूं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 बार जीत हासिल की, 18 हारे और 15 ड्रा रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी प्रारुपों में भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचा था। वह इतिहास में एकमात्र कप्तान है जिन्होंने आईसीसी के सभी तीन सीमित ओवरों के खिताब 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीते हैं। धोनी ने 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। भारतीय टीम ने इसमें 110 मैच जीते, 74 हारे और पांच मैच ड्रा रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 74 मैचों में भारत का नेतृत्व किया और टीम को 41 जीत दिलाई।धोनी ने जीवन में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और करीबी दोस्तों को दिया है। संन्यास के बाद भी अब वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं।

दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने तोड़ा अपना ही विश्व रिकॉर्ड

बार्सिलोना (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने महिलाओं की पांच हजार मीटर की दौड़ का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। बार्सिलोना में हुई इस दौड़ को 24 वर्षीय केन्याई खिलाड़ी ने 13 मिनट और 54 सेकंड में पूरा किया।

पेरिस ओलंपिक में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में स्वर्ण जीतने वाली चेबेट ने इसी दौड़ में एक साल पहले बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को 19 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। दौड़ के बाद चेबेट ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रिकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।'

ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनो ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।

वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लाड्र्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है। अगर भारत मेजबान को सिडनी में ड्रॉ खेलता है और उसके बाद पैट कमिंस की टीम श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाए तो श्रीलंकाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी।

बुमराह ने गेंदबाजी रैंकिंग में हासिल किए सबसे ज्यादा अंक, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में गेंदबाजी में 907 रेटिंग अंक का आंकड़ा छूकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने हाल में संन्यास लेने वाले स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2016 में 904 अंकों की अपनी सर्वोच्च रेटिंग हासिल की थी।

बुमराह ने हाल में अश्विन की बराबरी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर वह नया भारतीय रिकार्ड बनाने में सफल रहे। बुमराह 907 रेटिंग अंकों के साथ सर्वकालिक सूची में इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस तेज गेंदबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में नौ विकेट हासिल किए थे जिससे उन्होंने गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एमसीजी में अपने छह विकेटों के दम पर 15 रेटिंग अंक हासिल किए जिससे वह एक पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। कमिंस ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत के दौरान दो पारियों में 90 महत्वपूर्ण रन बनाने के बाद टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की पहली पारी में 82 रन की पारी ने उन्हें 854 रेटिंग अंकों के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर 53वें नंबर पर पहुंचा दिया।

गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज हैं और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नहीं चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें। गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को ने केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

जोकोविच ने कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर बनाई रणनीति, नए खिलाड़ियों को देंगे चुनौती

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक के रूप में एकमात्र खिताब जीत पाए थे लेकिन अब उन्होंने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने बीते साल ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पहले दौर का मैच जीतने के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले मर्रे के साथ मिलकर अपने युवा प्रतिद्वंदियों के वीडियो देखकर उनके खेल का आकलन किया है। अपने 100वें एटीपी खिताब की कवायद में लगे जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रिंकी हिजिकाटा को 6-3, 6-3 से हराने के बाद कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने खेल में आमूलचूल बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं जियोवानी (फ्रांस का 21 वर्षीय स्टार जियोवानी एमपेत्शी पेरीकार्ड) की तरह नहीं बनने जा रहा हूं, जो पहले दो सर्विस करके नेट पर आ जाए।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, चाहे युवाओं के साथ कितने भी घंटे खेलना पड़े।'

पंजाब किंग्स को इस साल आईपीएल खिताब जिता पायेंगे श्रेयस?

मुम्बई ।आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि घरेलू क्रिकेट खिताबों के बाद अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

चैंपियंस ट्रॉफी के पुन: आयोजन पर बोले एफआईएच अध्यक्ष, हमें कैलेंडर में जगह चाहिए

राउरकेला (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने बुधवार को प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की लेकिन साथ ही उन्होंने पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट को शामिल करने की मुश्किलों को भी उजागर किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 1978 में एक सालाना टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुई और 2014 में यह द्विवार्षिक हो गई। यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल था जो केवल विश्व कप और ओलंपिक से पीछे था। इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था। इसके बाद एफआईएच ने इसे बंद कर दिया था।

इकराम ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'हम इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है। लेकिन हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है।' उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए 'बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट' शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों से परे देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था। शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है। एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है।'

उन्होंने कैलेंडर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच की खाई को पाटने के महत्व को रेखांकित किया। इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा।'

एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है। इसके बारे में बोलते हुए इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट' नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है। इकराम ने इसके बारे में अधिक जानकारी दिये बिना कहा, 'पिछले साल के अंत में मैंने हमारे प्रतियोगिता विभाग और प्रो लीग टीम के साथ एक बैठक की थी। हम 'प्रो लीग कनेक्ट नामक' की एक परियोजना शुरू कर रहे हैं।'

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, 'फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, 'मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, 'यह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नहीं आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे 'घृणित बताया।

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन ।इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, 卐उनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे। इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है। वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

सैमी अप्रैल में संभालेंगे पद

जमैका ।वेस्टंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी अप्रैल में वेस्टइंडीज टीम के कोच पद को संभालेंगे। सैमी ने वेस्टइंडीज की ओर से 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने दो बार टी20 विश्व कप जीता है। अब बोर्ड ने उन्हें तीनों प्रारुपों में कोच की जिम्मेदारी दी है। सैमी को 2023 में सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में कोच बनाया गया था। सैमी को तब आंद्रे कोल की जगह एकदिवसीय और टी20 टीम का कोच बनाया गया था। इससे पहले सैमी लाल गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज टीम के अंतरिम कोच थे। सैमी ने बतौर कोच जून में यूएई के खिलाफ एकदिवसय में पहली बार कोचिंग की। विंडीज के पूर्व विकेटकीपर कूले ने पिछले साल जुलाई में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में अंतिम बार कोचिंग की थी। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीजी ने सफेद गेंद क्रिकेट में यूएई के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीती थी जबकि बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। इसके बावजूद टीम विश्वकप क्वालीफायर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। टीम पिछले काफी समय से एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। उसे भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली। वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। उसका टेस्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन जनवरी 2024 में आया। तब उसने ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा में हराया था। वेस्टइंडीज ने 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 11 में से सिर्फ 2 टेस्ट मैच जीते जबकि 7 में उसे हार मिली। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में वेस्टइंडीज सबसे निचले स्थान पर है।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज : मैगनस कार्लसन और नेपोमनिशी सयुंक्त विजेता, महिला वर्ग मे वेंजून जीती, वैशाली को कांस्य पदक

न्यू यॉर्क (एजेंसी)। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का समापन गत वर्ष की अंतिम संध्या को सम्पन्न हो गया और इस बार रोचक तौर पर पुरुष वर्ग में एक की जगह हमें दो विजेता मिले, नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और रूस के यान नेपोमनिशी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट के सयुंक्त विजेता रहे जबकि महिला वर्ग में यह खिताब चीन की मौजूदा क्लासिकल विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें अपने नाम किया, भारत की वैशाली नें कांस्य पदक अपने नाम किया।

पुरुष वर्ग में क्वाटर फाइनल में मैगनस कार्लसन नें यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से और सेमी फाइनल में पोलैंड के यान डूड़ा को 3-0 से मात देते हुए फाइनल में प्रवेश किया, वहीं रूस के यान नेपोमनिशी नें क्वाटर फाइनल में हमवतन मुरजिन वोलोदर को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल मे यूएसए के वेसली सो को 3-2 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

बेस्ट ऑफ 4 के मुक़ाबले में कार्लसन नें पहले दो मुक़ाबले जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली थी और नेपो की हार तय नजर आ रही थी पर नेपो नें शानदार वापसी करते हुए लगातार दो जीत के साथ स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद टाईब्रेक के तौर पर लगातार तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे और उसके बाद मैगनस कार्लसन नें नेपोमनिशी को सयुंक्त विजेता बनने का प्रस्ताव दिया नेपो मान गए पर नियमानुसार परिणाम आने तक मुक़ाबले होने थे, दोनों ने यह प्रस्ताव फीडे को दिया और इसे स्वीकार कर लिया गया और दोनों को सयुंक्त विजेता घोषित कर दोया गया। इस परिणाम को लेकर दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों और शतरंज प्रेमियों के बीच एक नयी बहस छिड़ गयी है। सेमी फाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों यान डूड़ा और वेसली सो को कांस्य पदक दिया गया और इस तरह रजत पदक किसी को मिला ही नहीं !

महिला वर्ग में चीन की जू वेंजून नें हमवतन लेई टिंगजे को एक बेहद कड़े मुक़ाबले में 3.5-2.5 से पराजित करते हुए खिताब जीतकर अपना पहला ब्लिट्ज़ खिताब हासिल कर लिया। वेंजून नें क्वाटर फाइनल में रूस की गुनिना वालेंटीना को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल में भारत की आर वैशाली को इसी अंतर से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि लेई टिंगजे नें कज़ाकिस्तान की बीबीसारा को 2.5-1.5 और रूस की लागनों काटेरयना को 3.5-2.5 से मत देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

लीग चरण में शीर्ष में रहने वाली भारत की आर वैशाली को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, पर शतरंज के इस फॉर्मेट में यह उनका पहला पदक है। भारत को कोनेरु हम्पी को भी रैपिड का स्वर्ण पदक दिया गया और इस तरह भारत नें दो पदको के साथ टूर्नामेंट और साल का अंत किया।

क्रिसमस द्वीप से हुआ नए साल 2025 का आगाज, न्यूजीलैंड में हुई भव्य आतिशबाजी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के सिडनी हार्बर ब्रिज के पास कई स्थानों पर एक साथ जबरदस्त आतिशबाजी की गई

इंडोनेशिया में नए साल का स्वागत

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में पूरे शहर में कई स्थानों पर आतिशबाजी की गई।

न्यूजीलैंड में नए साल का स्वागत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अलग-अलग टाइम जोन के कारण कई देश अलग-अलग समय पर नए साल का जश्न मनाएंगे। भारत से पहले 41 देश ऐसे हैं, जहां नया साल मनाया जाता है। दुनिया में सबसे पहले नए साल का आगाज किरिबाती द्वीप पर हुआ। यह द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित है और किरिबाती रिपब्लिक का हिस्सा है। यहां का समय भारत से 7.30 घंटे आगे है, यानी जब भारत में दोपहर के 3:30 बजे होते हैं, तो किरीटीमाटी में नया साल शुरू हो जाता है। किरिबाती द्वीप को क्रिस्मस आईलैंड भी कहा जाता है।

रूस की राजधानी मॉस्को में हर्षोल्लास के साथ नए वर्ष का स्वागत किया

ऑकलैंड शहर के सबसे ऊंचे स्काई टावर पर आतिशबाजी की गई

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शहर के मुख्य स्थान पर आतिशबाजी हुई

खबर संक्षेप

निमिष प्रिया को यमन में फांसी की सजा

नई दिल्ली। यमन के सुप्रीम कोर्ट ने एक भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने एक नागरिक, तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई है। अब भारत सरकार निमिषा की मदद को आगे आई है। मौत की सजा का मामला फिलहाल यमन की राष्ट्रपति के पास है। हालांकि, दया याचिका पर अभी तक राष्ट्रपति ने कोई कार्रवाई नहीं की है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वह यमन में मौत की सजा का सामना कर रही एक भारतीय नर्स के मामले में प्रासंगिक विकल्पों का पता लगाने के लिए हर संभव मदद कर रहा है।

सिंध में बस-ट्रेलर की टक्कर में 12 की मौत

सिंध। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में नेशनल हाइवे पर एक बस के ट्रेलर से टकरा जाने से एक ही परिवार के 8 सदस्यों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। बस में सवार यात्री एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। यह घटना सोमवार की रात मोरो के पास घटी। डिप्टी कमिश्नर अरसलान सलीम ने कहा कि शादी समारोह में लगभग 20 लोग थे, जिसमें से 12 लोगों की मौत हो गई। एक युवा लड़की बुरी तरह से घायल हो गई थी और अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पांच घायल यात्रियों की हालत बहुत गंभीर है। बस को टक्कर मारने वाला ट्रेलर का चालक मौके से फरार हो गया।

टिकटॉक पर लगाया एक करोड़ डॉलर का जुर्माना

कराकास। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला की सर्वोच्च अदालत ने टिकटॉक पर एक करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना टिकटॉक पर चल रहे एक ऑनलाइन चैलेंज में तीन किशोरों की मौत के बाद लगाया गया है। वेनेजुएला के सुप्रीम ट्रिब्यूनल ऑफ जस्टिस की जज तानिया डी एमेलियो ने कहा कि वीडियो शेयरिंग एप टिकटॉक द्वारा खतरनाक कंटेंट को रोकने के लिए पर्याप्त और जरूरी कदम नहीं उठाए हैं और इसमें लापरवाही बरती। ऑनलाइन चैलेंज को पूरा करने तीन किशोरों की रसायनिक पदार्थ के नशे के चलते मौत हो गई है।

मणिपुर में जातीय संघर्ष के 600 दिन में 200 से ज्यादा मौतें

सीएम बीरेन सिंह बोले- मुझे माफ करें कहा- गलतियों से सीखकर आगे बढ़ें

इंफाल

मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी है। बीरेन सिंह ने कहा कि पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। इसका मुझे बहुत दुख है। 3 मई 2023 से लेकर आज तक जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं। सीएम बीरेन सिंह ने सचिवालय में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा- कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे वास्तव में खेद है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। बता दें, मणिपुर में 3 मई 2023 से कुकी-मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। मैतेई-कुकी समुदाय के बीच भड़की हिंसा को 600 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। बीरेन ने बताया कि मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, राज्य में पिछले महीने से शांति है। हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। छिटपुट प्रदर्शन के लिए भी लोग सड़कों पर नहीं उतरे। सरकारी दफ्तर रोजाना खुल रहे हैं और स्कूल में बच्चों की तादाद बढ़ रही है।

सेना के ऑपरेशन क्लीन से क्षेत्र में शांति

अफस्पा लागू होने से सेना को पावर मिला

उग्रवादियों के 20 से अधिक कैडरों को दबोचा

केंद्र सरकार कर रही विस्थापितों की मदद

बीरेन सिंह ने कहा कि अब तक कुल मिलाकर लगभग 200 लोग मारे गए हैं और लगभग 12,247 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई हैं। 625 आरोपियों गिरफ्तार हुए हैं। लगभग 5,600 हथियार और विस्फोटकों समेत लगभग 35,000 गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मुद्दों से निपटने में भी कामयाबी मिली है। केंद्र सरकार ने विस्थापित परिवारों की मदद के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी और धनराशि दी है। विस्थापितों के लिए नए घर बनाने के लिए भी पैसा दिया गया है।

सद्भावना के साथ रहना चाहिए

सीएम ने कहा कि मैं राज्य के सभी समुदायों से अपील करना चाहता हूं कि जो कुछ हुआ सो हुआ। आपको अतीत की गलतियों को माफ करना होगा और भूलना होगा और हमें एक शांतिपूर्ण मणिपुर की दिशा में एक नया जीवन शुरू करना होगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर की सभी 35 जनजातियों को एक साथ सद्भावना के साथ रहना चाहिए। सीएम सिंह ने कहा कि कश्मीर की तरह राज्य में सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन का ही असर है कि पिछले एक महीने में न केवल हथियार-गोला बारूद की कोई बड़ी खेप जब्त हुई है, बल्कि उग्रवादी संगठनों के 20 से अधिक कैडरों को भी दबोचा गया है।

पीएम पर बोला हमला

मणिपुर जाकर माफी क्यों नहीं मांगते?: जयराम

नई दिल्ली। मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह के मंगलवार को राज्य में जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगने के बाद कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने पूछा कि पीएम मोदी पूरे देश और दुनिया की यात्रा करते रहते हैं, लेकिन वहां जाकर माफी क्यों नहीं मांग सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रमेश ने पीएम पर मणिपुर के लोगों को नजरअंदाज करने और जानबूझ कर मणिपुर का दौरा टालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मणिपुर जाकर यह (माफी मांगने की बात) क्यों नहीं कह सकते? उन्होंने 4 मई 2023 से जानबूझ कर राज्य का दौरा करने से परहेज किया है। भले ही वह देश और दुनिया भर में यात्रा कर रहे हैं। पीएम मोदी द्वारा नजरअंदाज करना मणिपुर के लोगों को समझ नहीं आ रहा।

लोग खुद हथियार लौटा रहे हैं...

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमारा फोकस उग्रवाद वाले बफर इलाकों में सब कुछ न्यूट्रल करने पर है। इनमें वे इलाके भी शामिल हैं, जहां बीते डेढ़ साल में किसी की जाने की हिम्मत नहीं हुई। वहीं, पूरे राज्य में सेंट्रल आर्म्ड फोर्सेज की 288 कंपनियों में करीब 40 हजार जवान तैनात हैं। पहले सेना राजनीतिक दखल के कारण कुछ कर नहीं पा रही थी। इससे सेना नाराज थी, लेकिन जब से इंफाल वैली के 5 थाना क्षेत्रों में अफस्पा लागू हुआ, तब से सेना सख्त हुई, अब लोग खुद हथियार जमा करने पहुंच रहे हैं। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच 1500 से ज्यादा लोग जख्मी हुए, 60 हजार लोग घर छोड़कर राहत शिविरों में रह रहे हैं। अब तक 11 हजार एफआईआर दर्ज की गई हैं और 500 लोगों को अरेस्ट किया गया है।

एच-1बी वीजा पर मस्क का रुख नरम

अब कुशल विदेशी श्रमिकों के लिए सुधार का किया आह्वान

वॉशिंगटन

'एच-1बी' वीजा कार्यक्रम के बचाव में किसी भी हद तक जाने का संकल्प लेने वाले अमेरिकी अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने इस मुद्दे पर अपना रुख नरम कर लिया है और कुशल विदेशी श्रमिकों को अमेरिका लाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली त्रुटिपूर्ण प्रणाली में सुधार का आह्वान किया है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क और भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी को अपने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का नेतृत्व करने के लिए चुना है।

पिछले हफ्ते मस्क ने तर्क दिया था कि उनकी स्पेसएक्स और टेस्ला जैसी तकनीकी कंपनियों के लिए विदेशी कर्मचारियों की जरूरत है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा था कि मैं उन कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ अमेरिका में हूं, जिन्होंने अमेरिका को मजबूत बनाने वाली स्पेसएक्स, टेस्ला और सैकड़ों अन्य कंपनियों का निर्माण किया है, इसका कारण 'एच-1बी' है। पहले के बयान को वापस लेने के बाद कहा था कि अमेरिका को दुनिया की सबसे 'श्रेष्ठ प्रतिभाओं' के लिए एक गंतव्य बनना चाहिए, लेकिन तर्क दिया कि वर्तमान 'एच-1बी' प्रणाली समाधान नहीं है।

सुधार की आवश्यकता बताई

अब एलन मस्क ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि न्यूनतम वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि करके और 'एच-1बी' को बनाए रखने के लिए वार्षिक लागत जोड़कर इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है, जिससे घरेलू स्तर की तुलना में विदेशों से भर्ती करना अधिक महंगा हो जाएगा। मैं इस बात पर बहुत स्पष्ट हूं कि यह कार्यक्रम त्रुटिपूर्ण है और इसमें बड़े सुधार की आवश्यकता है। बता दें, 'एच-1बी' वीजा एक गैर प्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले विशेष तरह के व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए 'एच-1बी' वीजा पर निर्भर करती हैं। आईटी उद्योग लंबे समय से अमेरिका में अत्यधिक कुशल श्रमिकों को आकर्षित करने के लिए अधिक 'एच-1बी' वीजा की मांग कर रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप का मिला समर्थन

मस्क के बयान को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी समर्थन मिल चुका है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल यानी 2020 में यह कहकर इस कार्यक्रम को प्रतिबंधित कर दिया था कि यह व्यवसायों को अमेरिकियों की जगह कम वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को रखने की अनुमति देता है। हालांकि, ट्रंप ने अब कहा है कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये (एच-1बी वीजा) है।

हाथ से हाथ मिलाकर बढ़ रहे आगे

शी जिनपिंग ने व्लादिमीर पुतिन को नए साल की दी शुभकामना

बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने मंगलवार को रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन को नए साल की शुभकामना दी। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि चीन और रूस के संबंध उच्च स्तर की ओर बढ़ रहे हैं और दोनों देश एकजुट होकर गैर-गठबंधन, गैर-टकराव के उचित रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी सदी में तेजी से हुए परिवर्तन और अस्थिर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बीच चीन और रूस हमेशा गैर-गठबंधन, गैर-टकराव और किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाने के रास्ते पर हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं।

सहयोग आगे बढ़ रहा

व्लादिमीर पुतिन ने अपने संदेश में कहा कि दोनों देशों ने नए युग के लिए समन्वय की खातिर रूस-चीन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन और रूस की अर्थव्यवस्था व्यापार, ऊर्जा, परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर लाभकारी सहयोग सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है।

विवेकानंद रॉक मेमोरियल और तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ा

तमिलनाडु में समुद्र के ऊपर बनाया कांच का पुल

कन्याकुमारी

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सोमवार को कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक और तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ने वाले एक नए कांच के पुल का उद्घाटन किया। यह इस तरह का भारत का पहला पुल है, जो काफी आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। यह पुल 77 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा है। खास बात यह है कि पुल की सतह से आपको नीचे के नजारा दिखाई देगा, यह एक बेहतरीन और काफी नया अनुभव हो सकता है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर धनुषाकार पुल का एक वीडियो साझा किया, उद्घाटन के दौरान सीएम ने पुल पर सैर भी की।

परियोजना पर खर्च किए 37 करोड़ रुपए

कन्याकुमारी में 37 करोड़ रुपए की यह परियोजना तमिलनाडु सरकार द्वारा शुरू की गई थी, जिसका उद्घाटन 30 दिसंबर को दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि द्वारा तिरुवल्लुवर प्रतिमा के अनावरण की रजत जयंती के अवसर पर किया गया था। कांच का यह पुल 77 मीटर (252 फीट) लंबा और 10 मीटर चौड़ा है, जो क्षेत्र के दो सबसे प्रतिष्ठित स्थलों – विवेकानंद रॉक मेमोरियल और 133 फीट ऊंची तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ता है। यह यहां घूमने आने वाले लोगों को एक शानदार अनुभव महसूस कराता है। यहां से समुद्र का शानदार नजारा दिखाई देता है।

यात्रा का समय कम हुआ, आराम मिला

इससे पहले, पर्यटकों को कन्याकुमारी बोट जेटी से विवेकानंद स्मारक और फिर तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक जाने के लिए नौका सेवा पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब यह रास्ता उनकी राह आसान कर देगा। कांच के पुल के उद्घाटन के साथ आगंतुक अब दो स्मारकों के बीच आराम से टहल सकते हैं, जिससे यात्रा का समय कम हो जाता है और एक अधिक आरामदायक विकल्प मिलता है। पुल पार करते समय नीचे समुद्र के लुभावने दृश्य इस यात्रा को अपने आप में एक यादगार अनुभव बनाते हैं।

अनुराग ने किया मुंबई छोड़ने का ऐलान...

मुंबई। अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में लीक से हटकर, बेहतरीन हिट फिल्में बनाई हैं। लेकिन कुछ समय से उन्हें अपनी तरह का काम करने का मौका बॉलीवुड में नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि अनुराग ने साउथ फिल्मों का रूख किया, वह वहां की फिल्मों में अभिनय तक करते दिख रहे हैं। बतौर एक्टर खुद को एक्सप्लोर कर रहे हैं। यही कारण है कि अनुराग अब मुंबई छोड़कर साउथ में जाकर बस जाना चाहते हैं। वह अगले साल ऐसा कर सकते हैं। अनुराग की माने तो साउथ फिल्म इंडस्ट्री में लोगों को फिल्म बनाने का बहुत उत्साह रहता है।

लाइफ Style

मलाइका 'साल 2024 तुम बहुत मुश्किल रहे'

मलाइका अरोड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने बीते साल में हुई चीजों और अपने अनुभव के बारे में बात की है। मलाइका अरोड़ा साल 2024 में अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहीं।

पहले उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हुआ फिर अभिनेत्री के पिता का निधन हो गया। सोशल मीडिया पर मलाइका ने एक पोस्ट कर बताया कि उनका साल काफी कठिन रहा। उन्होंने बताया कि ये साल उनके लिए कितना मुश्किल रहा। मलाइका ने लिखा- साल 2024, मैं तुमसे नफरत नहीं करती, लेकिन तुम बहुत मुश्किल रहे। बहुत सी चुनौतियां, बहुत सारे बदलाव और बहुत सारी सीख। तुमने मुझे दिखाया कि जीवन कैसे बदलता है। पलक झपकते ही जीवन में कितने बदलाव आ जाते हैं। मुझे लगता है मुझे खुद पर और भरोसा करना चाहिए। इस साल ने मुझे बताया कि मेरी मानसिक, शारीरिक और इमोशनल हेल्थ मेरे लिए कितनी जरूरी है। पोस्ट में लिखा, इस दौरान और भी बहुत सारी चीजें हैं, जिन्हें मुझे समझना होगा लेकिन मुझे लगता है, समय के साथ चीजें और समझ में आने लगेंगी। चीजों के होने की कुछ न कुछ वजह होती है, मैं इस बात को पूरी तरह से मानती हूं। बता दें कि मलाइका और अर्जुन कपूर ने काफी समय तक एक दूसरे को डेट किया। दोनों ने साथ में कई सारी तस्वीरें भी साझा की। वहीं, मई में खबरें आईं कि दोनों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं।

हॉलीवुड मसाला

8 साल बाद हुआ समझौता

लॉस एंजिल्स। आठ साल से ज्यादा चली कानूनी लड़ाई के बाद ब्रैड पिट और एंजेलिना जोली ने तलाक के लिए समझौता कर लिया है। जोली के वकीलों के मुताबिक, दोनों पक्षों ने 30 दिसंबर को समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कभी हॉलीवुड के सबसे आकर्षक जोड़ी में से एक रहे एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट लगभग एक दशक तक साथ रहे और 2014 में शादी से पहले वे छह बच्चों के माता-पिता भी बने। अब दोनों का तलाक को लेकर समझौता हो गया है। एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट तलाक के समझौते पर पहुंच गए हैं।

टीवी और मंच पर रहीं काफी सक्रिय

लॉस एंजिल्स। सीबीएस के लंबे समय से चल रहे सिटकॉम 'ऐलिस' की स्टार और नील साइमन के नाटक 'ब्रॉडवे बाउंड' के लिए टोनी जीतने वाली लिंडा लैविन टीवी और मंच पर भी काफी सक्रिय रहीं। अभिनेत्री के निधन पर स्क्रीनराइटर पॉल रुडनिक ने दुख जताया और एक्स पर पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। लिंडा लेविन का सफर बाल मंच कलाकार के रूप में शुरू हुआ। 1960 के दशक में उन्होंने ब्रॉडवे की शुरुआत की। उन्होंने संगीतमय 'इट्स ए बर्ड...इट्स ए प्लेन...इट्स सुपरमैन' और नाटक 'लास्ट ऑफ द रेड हॉट लवर्स' में अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता। टीवी की दुनिया में लिंडा लेविन सीबीएस के सिटकॉम 'ऐलिस' में मुख्य किरदार के रूप में घर-घर मशहूर हुईं। 'बार्नी मिलर', 'सीन सेव्स द वर्ल्ड' और 'बी पॉजिटिव' जैसे हिट शो से उन्हें खूब शोहरत मिली।

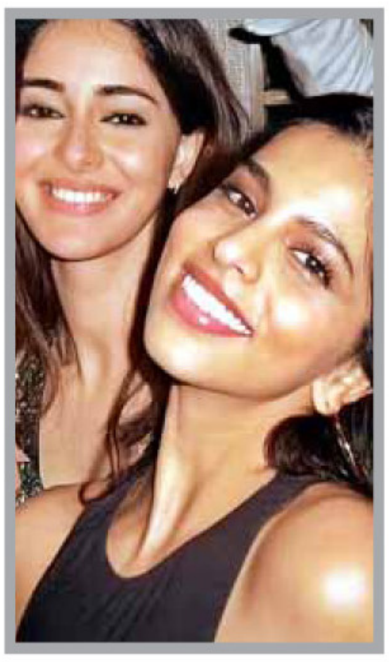

मन्नत में पार्टियों की बात है निराली

मुंबई। अभिनेत्री अनन्या पांडे, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के साथ बहुत अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं। दरअसल, अनन्या, सुहाना, नव्या नवेली नंदा और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं और अक्सर साथ में समय बिताते और पार्टी करती रहती हैं। अब, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने शाहरुख के घर मन्नत में होने वाली पार्टियों की झलक दिखाई, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि सबसे अच्छी पार्टियां वो होती हैं जो मन्नत में उनकी बेस्ट फ्रेंड सुहाना, नव्या और शनाया के साथ वह एंजॉय करती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान चंकी पांडे की बेटी और अनन्या से जब शाहरुख के मुंबई स्थित आलीशान घर मन्नत में हुई पार्टियों के बारे में पूछा गया तो इस पर उन्होंने कहा कि सुहाना, शाहरुख, शनाया और नव्या के साथ मन्नत में पार्टी के बाद के पलों को वह कभी भुला नहीं सकतीं।

सल्लू को देखते ही गले लग गईं कोकिलाबेन

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान इन दिनों अंबानी परिवार के साथ गुजरात के जामनगर में छुट्टियां एन्जॉय कर रहे हैं। अब सलमान का एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक्टर को अपनी फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' का 'ओ ओ जाने जाना' गाते देखा जा सकता है। इस इवेंट से भी एक खूबसूरत वीडियो सामने आया है जिसमें कोकिलाबेन अंबानी, सलमान को बेटे की तरह प्यार देती दिख रही हैं। इवेंट में शामिल होने के दौरान सलमान सभी को ग्रीट करते हैं। तभी उनकी नजर ऑडियंस में बैठी कोकिलाबेन अंबानी पर पड़ती है और वो उन्हें मिलने पहुंच जाते हैं। सलमान को देख कर कोकिलाबेन उन्हें गले लगा लेती हैं। बता दें, सलमान खान और अनंत अंबानी खास बांड शेयर करते हैं।

टीवी मसाला

कशिश ने अविनाश- ईशा की नजदीकियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 का शो रोजाना नया मोड़ लेता जा रहा है। बिग बॉस के घर पर रोज कुछ ना कुछ नया देखने को मिलता है, जिससे प्रशंसकों का उत्साह रिएलिटी शो को लेकर बना रहता है। लेटेस्ट एपिसोड में कशिश कपूर, चाहत पांडे और रजत दलाल को ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा के रिश्ते पर चर्चा करते हुए सुना गया। लेटेस्ट एपिसोड में रजत दलाल, कशिश कपूर और चाहत पांडे इसी बारे में बात करते नजर आएंगे।

बायोपिक फिल्मों में दिखी संघर्ष-सफलता की कहानी

नई दिल्ली। बॉलीवुड में हर साल कुछ बायोपिक फिल्में जरूर रिलीज होती हैं। बायोपिक फिल्मों के जरिए किसी खास शख्सियत की जिंदगी के संघर्ष और उसकी जीवन यात्रा को दिखाया जाता है। ये फिल्में दर्शकों को मोटिवेशन देती हैं। कई बायोपिक फिल्में अपनी शानदार कहानी के कारण दर्शकों की फेवरेट भी बन जाती हैं। जानिए, इस साल कौन सी बायोपिक फिल्में रिलीज हुईं और बॉक्स ऑफिस पर क्या इन्हें सफलता मिल सकी।

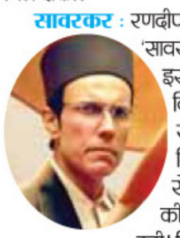

सावरकर : रणदीप हुड्डा इस साल फिल्म 'सावरकर' में नजर आए। इस फिल्म में उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका निभाई। यह स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की बायोपिक फिल्म ही रही। फिल्म का निर्देशन भी रणदीप हुड्डा ने किया। फिल्म रिलीज से पहले काफी चर्चा में रही लेकिन बॉक्स ऑफिस पर मनचाहा परिणाम ना पा सकी।

अमर सिंह चमकीला : सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ इस साल फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आए। वह अमर सिंह चमकीला के किरदार में दिखे, पंजाबी के एक मशहूर सिंगर की कहानी फिल्म में दिखाई गई। फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया, लेकिन दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आई।

चंदू चैंपियन : कार्तिक आर्यन भी इस साल एक बायोपिक फिल्म 'चंदू चैंपियन' में नजर आए। यह फिल्म पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडल विजेता मुरलीकांत की कहानी है। इसमें कार्तिक ने उनका ही किरदार निभाया। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक रेस्पॉन्स ही मिला। कार्तिक के अभिनय को भी सराहा गया।

साल 2025 में होगा धमाल, नजर आएंगी नई जोड़ियां

खुशी कपूर-जुनैद खान-तृप्ति भी आएंगी साथ...

नई दिल्ली। 2025 की शुरुआत के साथ ही बॉलीवुड में नए चेहरे और धमाकेदार जोड़ियां दर्शकों को दीवाना बनाने के लिए तैयार हैं। नए साल 2025 में अमन देवगन-राशा थडानी और जुनैद खान-खुशी कपूर जैसी कई नई जोड़ियां नजर आएंगी। इस लिस्ट में धड़क 2, लवयापा, आजाद से लेकर कई रोमांटिक, थ्रिलर और सस्पेंस की फिल्में शामिल हैं।

अमन देवगन और राशा थडानी - फिल्म आजाद : *अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म* आजाद का टीजर और ट्रेलर पहले ही रिलीज किया जा चुका है। इस फिल्म में पहली बार अमन देवगन और राशा थडानी की जोड़ी नजर आएगी। यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में अजय देवगन का भी अहम रोल होगा। अजय देवगन के भतीजे हैं अमर देवगन और रवीना टंडन की बेटी हैं राशा थडानी।

जुनैद खान और खुशी कपूर - फिल्म लवयापा : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जुनैद खान बॉलीवुड मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे हैं। जुनैद, खुशी कपूर के साथ फिल्म लवयापा में नजर आएंगे। खुशी, बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी हैं और जान्हवी कपूर की बहन हैं। ऐसा पहली है जब किसी फिल्म में खुशी और जुनैद एक साथ नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी।

तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी - फिल्म धड़क 2 : ब्लॉकबस्टर फिल्म धड़क की अगली कड़ी धड़क 2 को लेकर करण जौहर पहले ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर चुके हैं। फिल्म धड़क 2 का एक छोटा टीजर भी जारी किया जा चुका है, जिसमें तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आए थे। यह फिल्म प्रेम और संघर्ष की कहानी को बड़े पर्दे पर उजागर करेगी।

खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान - फिल्म नादानियां : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आगामी फिल्म नादानियां में खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें जोश और जुनून की कहानी को दिखाया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा जब किसी फिल्म में जान्हवी की बहन खुशी कपूर और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम साथ में नजर आएंगे।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
JHARKHAND EDUCATION CENTER RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC | VOCATIONAL | IIT
MANAGEMENT | ENGINEERING | AICTE
INTERMEDIATE | UG & PG | LAW
NCTE | MBBS | ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.